



प्रयागराज से प्रकाशित एवं कौशाम्बी, प्रतापगढ़, अयोध्या, लखनऊ, वाराणसी, मिर्जापुर, सोनभद्र, झांसी, बिजनौर में प्रसारित

किसमें कितना है दम, योगी की चुनौती

अखिलेश अयोध्या से लड़ें, मैं भी लड़ता हूं, हो जाए आमने-सामने का मुकाबला

बलरामपुर (संवाददाता)। यूपी के बलरामपुर में उत्तरोला के कालूबनकट में शनिवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने 803 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को आर्थिक सहायता के चेक भी प्रदान किए।

कार्यक्रम में क्षेत्र के विकास से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। सीएम ने लाभार्थियों को सहायता राशि के चेक सौंपकर उन्हें योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रही।

सीएम योगी ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को अयोध्या से चुनाव लड़ने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अयोध्या से चुनाव लड़ें, हम भी लड़ेंगे। आमने-सामने मुकाबला हो जाए और तय हो जाए कि



किसमें कितना दम है। तंज कसते हुए कहा कि माफिया के सामने नाक रगड़ने वाले उनसे क्या लड़ेंगे। मुख्यमंत्री के इस बयान से समारोह में सियासी माहौल गरमा गया।

सीएम ने अयोध्या के प्रति अपनी आस्था जाहिर करते हुए कहा कि वह बार-बार अयोध्या जाते हैं। अयोध्या उनके लिए पावन धाम है। वहां विकास कार्यों में किसी तरह की कोताही नहीं

होनी चाहिए। अयोध्या केवल एक शहर नहीं, बल्कि आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। इसके विकास को लेकर सरकार गंभीर है और लगातार काम कराया जा रहा है।

सपा पर निशाना साधते हुए सीएम ने कहा कि विपक्षी नेता विकास के मुद्दे पर घिरने के बाद चुनौती देने की बातें कर रहे हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को सीधे मुकाबले के लिए

ललकारते हुए कहा कि आमने-सामने की लड़ाई से साफ हो जाएगा कि किसमें कितना दम है।

सीएम ने अयोध्या में धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि जिन लोगों ने पहले जय श्रीराम के उद्घोष पर रोक लगाई थी, वे आज अयोध्या के विकास पर सवाल उठा रहे हैं। अयोध्या, काशी और मां विंध्यवासिनी धाम में हो

रहे विकास कार्यों का विरोध करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के विजन का विरोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अयोध्या उनके लिए आस्था का विषय है और वहां विकास कार्यों में कोई ढिलाई नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बलरामपुर की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार धार्मिक विरासत के संरक्षण के साथ सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर भी काम कर रही है।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का निर्माण हो रहा है। बलरामपुर में चल रही विकास परियोजनाएं इसका प्रमाण हैं। पिछले 10 वर्षों में जिले में हजारों करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए धनराशि भेजी गई है। इससे जिले में विकास की नई संभावनाएं बढ़ी हैं।

सीजेपी के प्रदर्शन पर पुलिस की सख्त कार्रवाई, कई नेता हिरासत में

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे सहित अन्य मांगों में शनिवार को राजधानी दिल्ली के जंतर मंतर पर पहुंचने की आशंका को देखते हुए दिल्ली पुलिस तथा अन्य सुरक्षा बलों ने कड़ी कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय स्तर के कई नेताओं माकपा के एमए बेबी, तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी, आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल और सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने इससे पहले कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रमुख नेताओं अभिजीत दीपके, सौरभ दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पहुंचने के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस ने बार्डर सहित कई इलाकों में पहरा सख्त करते हुए कई जगह पर बैरिकेडिंग लगा दी और सुबह से ही यातायात पर कड़ी पाबंदियां लागू कर दी गईं। वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने



और स्थिति पर निगरानी रखने के लिए प्रमुख चौराहों पुलिस बल तैनात किया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कर्नॉट प्लेस, मंडी हाउस, जंतर-मंतर, पटेल चौक और मध्य दिल्ली के अन्य हिस्सों में यातायात जाम और रूट डायवर्जन की चेतावनी देते हुए एडवाइजरी जारी की। पुलिस की सख्ती के बावजूद बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जगह जगह पहुंचे। इनमें मिटो ब्रिज, दिल्ली रेलवे स्टेशन, प्रभावित चौराहों और मार्गों में अशोक रोड-जंतर-मंतर रोड गोल चक्कर, टॉलरेंटॉय मार्ग-जनपथ क्रॉसिंग, जय सिंह रोड-संसद मार्ग क्रॉसिंग, रेल भवन गोल

चक्कर, गोल डाकखाना और विंडसर प्लेस शामिल हैं। पुलिस ने सीजेपी संस्थापक सर्वश्री दीपके, दास और रांका को राष्ट्रीय राजधानी में तब हिरासत में ले लिया जब वे मुंबई से यहां आए हवाई जहाज से उतरने वाले थे। दिल्ली पुलिस ने उनको विमान के भीतर से अपनी हिरासत में ले लिया। इस घटना के बाद पार्टी ने सोशल मीडिया पर बताया कि इन नेताओं के हिरासत में लिए जाने के बाद संगठन प्रभारी अजिंक्य शिंदे शनिवार को जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

इमरजेंसी से बुरे हालात

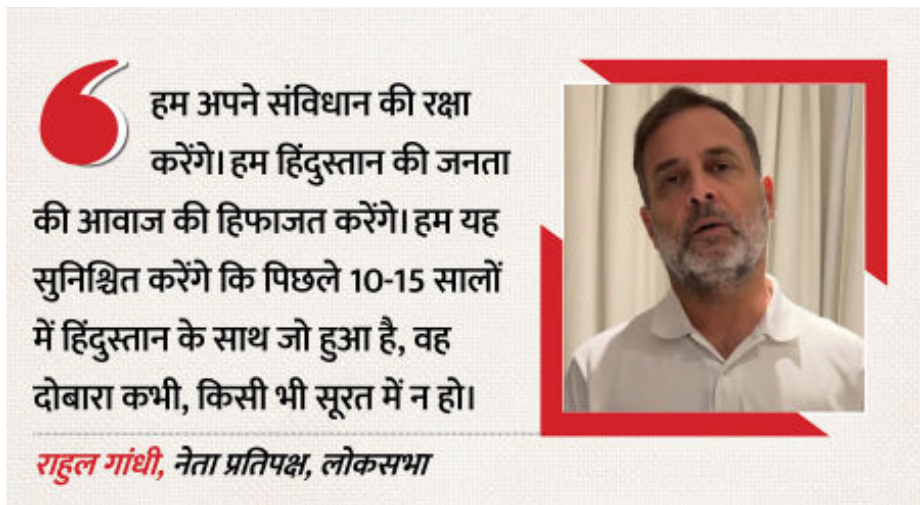
पहले मुंह पर बैंडेज फिर गाए क्रांति गीत, दिल्ली प्रदर्शन में ममता का दिखा अलग अंदाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन करने पहुंची पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने पहले अपने मुंह पर बैंडेज लगाकर विरोध जताया। फिर हिरासत में लिए जाने के दौरान बस में क्रांतिकारी गीत गाया। ममता ने मौजूदा हालात



को आपातकाल से भी ज्यादा बदतर बताया। उनके इस बयान, बैंडेज लगाकर विरोध करने और गीत गाने के तरीके ने दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन को चर्चा में ला दिया। ममता बनर्जी दिल्ली के साउथ एवेन्यू में एक बस स्टैंड पर घरने पर बैठी थीं। इसी दौरान पुलिस ने उन्हें तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओशब्रायन, डोला सेन और पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन के दौरान वामपंथी दलों के नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। दिल्ली पुलिस ने कार्रवाई के पीछे प्रदर्शन की अनुमति नहीं होने का हवाला दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस पर निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर कहा, श्रम नरेंद्र मोदी, आरएसएस और इनसे जुड़े लोगों के खिलाफ एक दशक से भी ज्यादा समय से लड़ रहा हूँ। मैं अपने विरोधियों को उतनी अच्छी तरह समझता हूँ जितना कोई भी अपने प्रतिद्वंद्वी को समझता है। मैं इन्हें अंदर तक जानता हूँ, इनकी हर चाल से वाकिफ हूँ। इन लोगों की सबसे बड़ी पहचान है — कायरता। राहुल गांधी ने आगे कहा, श्रमनरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, ज्ञानेश कुमार, अजीत डोभाल — इस कहानी के खलनायक — अब धीरे-धीरे घिरते जा रहे हैं। इनके चारों तरफ से दायरा सिमट रहा है। जो करना है, कर लीजिए। जितनी पुलिस बुलानी है, बुला लीजिए



— 10 जार, 20 हजार, 50 हजार, जितनी चाहें बुला लीजिए। सारे नेताओं को गिरफ्तार कर लीजिए। सारे युवाओं को गिरफ्तार कर लीजिए। हम सबको गिरफ्तार कर लीजिए। कांग्रेस सांसद ने कहा, घबराइए मत — हम आपको चारों तरफ से घेर रहे हैं, और हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मेरी बात याद रखिए — हमें जो जानकारी चाहिए, वह हमारे पास पहले से है। हम अपने संविधान की रक्षा करेंगे। हम हिंदुस्तान की जनता की आवाज की हिफाजत करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पिछले 10—15 वर्षों में हिंदुस्तान के साथ जो हुआ है, वह दोबारा कभी, किसी भी सूरत में न हो।

उन्होंने कहा, श्रमहिंदुस्तान के युवाओं, मुझे आप पर गर्व है। अपना विरोध जारी रखिए। हम आपके साथ खड़े हैं। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इस सरकार और हमारे संविधान पर हमला करने वालों को शिकस्त मिले। इस दौरान उन्होंने कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का नाम नहीं लिया।

क्या चंबल के डाकू हैं छात्र?

दीपके की हिरासत पर भड़के माता-पिता, कहा- सरकार को लोकतंत्र का सम्मान नहीं

मुंबई (एजेंसी)। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके के माता-पिता ने शनिवार को केंद्र सरकार आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार लोकतंत्र का सम्मान नहीं कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने अपने बेटे को हिरासत में लेने और भारी पुलिस



बल की तैनाती पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या छात्र चंबल के डाकू हैं। पुलिस ने राजधानी में बड़े पैमाने पर कार्रवाई करते हुए अभिजीत दीपके, यूट्यूबर ध्रुव राठी और लगभग 500 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया और जंतर-मंतर पहुंचने की उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। अभिजीत के पिता भगवान दीपके ने पत्रकारों से कहा, श्रुष्टि समझ नहीं आता कि दिल्ली में इतना पुलिस बल क्यों तैनात किया गया है? यह छात्रों का आंदोलन है। क्या चंबल के डाकू दिल्ली में जमा हुए हैं? डाकू तो संसद में बैठे हैं।

अराजकतावादी समूह कर रहे हैं देश को अस्थिर करने की कोशिश, देश की जनता, भाजपा कार्यकर्ता इसे करेंगे विफल : नवीन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन ने श्रृंखला गठबंधन और कॉंकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को अराजकतावादी समूह बताते हुए उन पर देश को अस्थिर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है और कहा है कि देश की जनता और भाजपा कार्यकर्ता उनकी इस कोशिश को कामयाब नहीं होने देंगे। श्री नवीन ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से बातचीत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर सीजेपी के प्रदर्शन के मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आज देश में बहुत खतरनाक और गंभीर स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है। देश को अस्थिर करने

की कोशिशें हो रही हैं। जहां 140 करोड़ लोग शांति और सद्भाव से रह रहे हैं और देश के विकास में मिलकर योगदान दे रहे हैं। वहीं, कुछ लोग देश के माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये काम दो समूह कर रहे हैं, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में श्रृंखला गठबंधन और दूसरा आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के सहयोगियों के नेतृत्व वाली सीजेपी शामिल हैं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, मैं इन दोनों समूहों से साफ तौर पर कहना चाहता हूँ कि भारत की जनता आपके इरादों को अच्छी तरह समझती

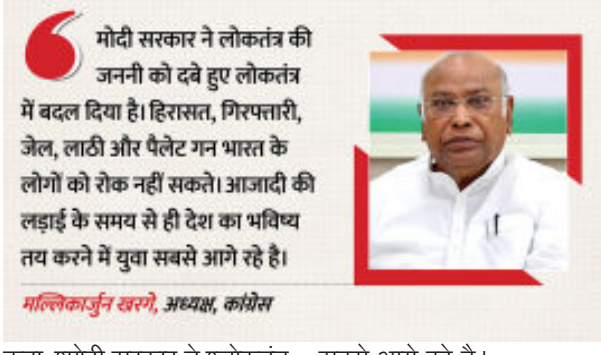
है। देश में कौन ज्यादा अस्थिरता रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहता हूँ कि आप अपने राजनीतिक एजेंडे के तहत और विदेशी ताकतों के इशारे पर जो कोशिशें कर रहे हैं, वह सफल नहीं होगी। श्री नवीन ने कहा कि लगातार वैश्विक संकटों के बावजूद देश निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है और यह बात इन लोगों को खटक रही है। ये लोग देश वृद्धि, पैदा कर सकता है, इसे लेकर आपकी शराजकता की होड़ सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता ने नकार दिया है और जनता फैंसले को स्वीकार करने या उससे सीखने के बजाय देश को अस्थिर करने की साजिश रच

प्रगति और उन्नति को पचा नहीं पा रहे हैं। ये लोग भारत को एक आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते हैं। ये लोग विदेशी ताकतों के इशारे पर इसे अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।

पैदा कर सकता है, इसे लेकर आपकी शराजकता की होड़ सफल नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता ने नकार दिया है और जनता फैंसले को स्वीकार करने या उससे सीखने के बजाय देश को अस्थिर करने की साजिश रच

प्रगति और उन्नति को पचा नहीं पा रहे हैं। ये लोग भारत को एक आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते हैं। ये लोग विदेशी ताकतों के इशारे पर इसे अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को मोदी सरकार पर हमला बोला। उनका यह हमला दिल्ली पुलिस की ओर से लोगों को हिरासत में लिए जाने की वजह से है। उन्होंने कहा कि उसने श्लोकतंत्र की जननीश को शब्द हुए लोकतंत्र में बदल दिया है। कांग्रेस प्रमुख ने आरोप लगाया कि आज भाजपा-आरएसएस की कायरता पूरी तरह से सामने आ गई है। खरगे ने एक्स पर कहा, श्रमारे युवा, छात्र, वकील, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, किसान संघ के नेता, यूट्यूबर, कंटेंट क्रिएटर — यानी जो कोई भी इस सरकार से सवाल पूछ रहा है, उसे हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने आगे



कहा, श्रमोदी सरकार ने श्लोकतंत्र की जननीश को शब्द हुए लोकतंत्र में बदल दिया है। कांग्रेस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि हिरासत, गिरफ्तारी, जेल, लाठी और पैलेट गन भारत के लोगों को रोक नहीं सकते। आजादी की लड़ाई के समय से ही देश का भविष्य तय करने में युवा

सबसे आगे रहे हैं। खरगे ने कहा कि कांग्रेस पार्टी, एकजुट विपक्ष के साथ मिलकर, इस अत्याचारी शासन का पुरजोर विरोध करेगी। हमने भारत की आजादी के लिए अपना खून बहाया है। हम अपने लोकतंत्र, अपने संविधान और हर भारतीय के मौलिक अधिकारों की

संपादकीय

फार्मा कंपनियों के तोहफे

लंबे समय से यह बात सार्वजनिक विमर्श में रही है कि मरीजों के हितों पर कुठाराघात करके, फार्मा कंपनियां उपहार देकर चंद डॉक्टरों व अस्पतालों को साध रही हैं। फॉर्मा कंपनियां हजारों करोड़ रुपये का बजट डॉक्टरों को खुश करने के लिये रखती हैं ताकि उनके उत्पाद खरीदने के लिये मरीजों को बाध्य किया जा सके। विडंबना यह है कि सरकारें सब—कुछ जानते—बूझते हुए भी खामोश बैठी रहती हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को केंद्र सरकार को अब निर्देश देना पड़ा है कि वह फार्मा कंपनियों की अनैतिक मार्केटिंग पर अविलंब रोक लगाए। बाकायदा, डॉक्टरों को खुश करने के लिये, तोहफे देने वाली फार्मा कंपनियों पर लगाम लगाने के लिये विशेषज्ञ कमेटी बनायी जाए। निश्चय ही इस अपवित्र गठजोड़ को नियामक तंत्र के दायरे में लाने की दिशा में यह एक स्वागत योग्य कदम होगा। निर्विवाद रूप से यह एक हकीकत है कि आर्थिक प्रलोभन या कीमती तोहफे मरीजों को दिए जाने वाले दवाइयों के परामर्श को प्रभावित करते हैं। फार्मा कंपनियों के इशारे पर लिखे गए प्रिस्क्रिप्शन का असर मरीजों और उनकी उपचार लागत पर पड़ता है। इस अनैतिक प्रवृत्ति पर रोक लगाने की दिशा में अदालत की पहल वक्त की जरूरत है। अदालत में वादी द्वारा दायर याचिका में इस बात पर बल दिया गया था कि फार्मा कंपनियां चुनिंदा दवाइयों की बिक्री बढ़ाने के लिये चिकित्सकों को महंगे तोहफे, विदेश यात्राएं आदि अन्य प्रकार के लाभ पहुंचाती हैं। निश्चित रूप से ऐसी अनैतिक परंपराएं जहां एक ओर क्लिनिकल फैसलों पर प्रभाव डाल सकती हैं, वहीं जरूरत से ज्यादा दवा लिखने की गलत प्रवृत्ति को भी बढ़ावा दे सकती हैं। दरअसल, रोगों से जुझ रहा मरीज या तिमारदार आमतौर पर यह निर्णय नहीं ले पाते कि कोई दवा कितनी जरूरी है या नहीं है। यह भी कि किसी दवा का बाजार में अन्य सस्ता विकल्प मौजूद है कि नहीं। लेकिन इस प्रलोभन नीति के चलते फार्मा कंपनियां अपना उल्टू सीधा करने में कामयाब हो जाती हैं। यहां यह तथ्य उल्लेखनीय है कि देश में इस अनैतिक परिपाटी पर अंकुश लगाने के प्रावधान पहले से ही मौजूद हैं। पहले से ही यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसिज—2024 के तहत डॉक्टरों को फार्मा कंपनियों से किसी भी प्रकार के तोहफे लेने, देश—विदेश की महंगी यात्राओं की सुविधाएं पाने या किसी भी तरह से आर्थिक लाभ लेने पर रोक लगाई गई है। बाकायदा इस बाबत शिकायत आने पर उसके निपटारे के लिये भी व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि शिकायतों के निपटारे के लिये एथिक्स कमेटी, खर्चों की जानकारी देने और शीर्ष पैनल सिस्टम भी मौजूद हैं। वह बात अलग है कि नियामक संस्थाएं यदा—कदा ही जागती हैं। इसके बावजूद, केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण सवाल को माना है कि क्या फार्मा कंपनियों को किसी कानूनी नियम—कायदे के दायरे में लाया जाना चाहिए? पुराने अनुभव तो यही बताते हैं कि स्पेच्छा से नियमों का पालन करना एक व्यावहारिक विकल्प नहीं हो पाता है। उपभोक्ताओं व मरीजों में जागरूकता के अभाव में ऐसे मामले होने के बावजूद बहुत कम शिकायतें सामने आती हैं। इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि फार्मा कंपनियों का खेल जारी नहीं है। दरअसल,कम शिकायतें सामने आने की अन्य कई वजहें हैं। मसलन, डॉक्टरों को महंगे उपहार या आर्थिक लाभ के मामलों की कम रिपोर्टिंग का होना, नियमों का ठीक प्रकार से लागू न हो पाना या फिर ताकतवर फॉर्मों लॉबी का सामना करने में हिचकिचाहट की वजह से शिकायतें कम नजर आती हैं। उल्लेखनीय है कि पहले आवश्यक वस्तु अधिनियम या ड्रग एंड कॉस्मेटिक्स कानून के जरिये इसे कानूनी आधार देने की कोशिशों पर अधिकार क्षेत्र और इसकी कानूनी वैधता को लेकर प्रश्न उठे थे। ऐसे में फिर जरूरी हो जाता है कि प्रस्तावित कमेटी को अफसरशाही की लेट—लतीफी से बचाया जाए। कमेटी को वैश्विक बाजार मॉडल, हितों के टकराव, जानकारी उजागर करने की जरूरत, ऐसे मामलों मे सजा, स्वतंत्र जांच और मेडिकल रेगुलेटर की भूमिका की जांच करनी चाहिए। सही मायने में सरकार को एक स्पष्ट कानूनी रोडमैप तैयार करना चाहिए, जिससे किसी नये कानून की जरूरत का पता चल सके।

एक ही मुद्दे पर दो समानांतर मोर्चे

एजेन्सी चुनाव चोरी के खिलाफ इंडिया गठबंधन का आंदोलन गुरुवार को और तेज हो गया। मंगलवार और बुधवार के बाद गुरुवार को भी इंडिया गठबंधन के तमाम सांसद फिर से एकत्र हुए। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक बार फिर सभी सांसदों और कांग्रेस नेताओं को लंच पर बुलाया। इस बार कर्नाट प्लेस के मोएट्स में सारा इंडिया ब्लॉक एकत्र हुआ तो अमित शाह ने पुलिस और सुरक्षा बलों का भारी जमावड़ा वहीं रेस्तरां के बाहर लगा दिया। निर्वाचित सांसदों का एक जगह जमा होना और साथ खाना खाना क्या किसी खतरे का संकेत है, जिससे निपटने के लिए पुलिस बुला ली गई। अभी ठंड का मौसम आते ही कोई सांसद मक्के की रोटी और साग की दावत अपने घर पर रखेगा, कोई मकर सक्रांति पर दही—चूड़ा के लिए साथी सांसदों को न्यौता देगा, तो क्या इन सभी के बंगलों के बाहर पुलिस तैनात होगी। क्योंकि अब तक तो ऐसा कभी नहीं हुआ, लेकिन अब मोदी—शाह का डर इतना बढ़ चुका है कि जहां इंडिया के सांसदों को देखा वहीं पुलिस तैनात करवा दी। यह डर स्वाभाविक भी है, क्योंकि चुनावों में धांधली करने के लिए एसआईआर का जो पूरा कुचक्र चलाया गया है, उसकी सच्चाई सामने आ रही है। विपक्ष के नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मिलने का वक्त चाहते हैं, जो उन्हें नहीं मिल रहा और इस बात पर विरोध करने की इजाजत भी नहीं मिल रही। गुरुवार को एक बार फिर तमाम विपक्षी नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में राजघाट की तरफ बढ़े और इन पंक्तियों के लिखे जाने तक एक बार फिर उन्हें रोकने की कोशिशें जारी हैं। राजघाट पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लगा दी गई है, यानी भीड़ जमा होने से रोकने का ऐलान हो गया है। निर्वाचित सांसदों को जब भीड़ कहा जाने लगे तो यह समझना कठिन नहीं है कि लोकतंत्र की क्या गत बनाई जा रही है। वैसे जिस तरह से मोदी सरकार ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ उठी आवाज को दबाने के लिए दमनकारी तरीके अपनाए हैं, उस पर गुरुवार को कांग्रेस ने देश भर में विरोध प्रदर्शन और तेज कर दिया। के सी वेणुगोपाल ने सात तारीख को ही राज्य,

जिला और ब्लॉकध्मंडल की कांग्रेस इकाइयों को पत्र लिखकर कहा था कि जो सलूक मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी समेत तमाम सांसदों के साथ किया गया, उसके विरोध के लिए आठ अक्टूबर को काला दिवस मनाया जाए। कांग्रेस में राष्ट्रीय स्तर पर तो लगातार हलचल देखने मिलती है, लेकिन जिला और मंडल स्तर की इकाइयों में स्थानीय नेताओं की सक्रियता से पार्टी मजबूत दिखती है। बीते 12 सालों में देश के कई हिस्सों में कांग्रेस के जमीनी कार्यकर्ता इसी वजह से हतोत्साहित थे कि उन्हें दिशा देने वाले नेता संगठन पर ध्यान नहीं देते थे। कई जगहों पर कांग्रेस इसी वजह से मजबूत नहीं हो पाई क्योंकि आपसी गुटबाजी रही। बीच में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस कमजोरी को दूर करने के लिए लगातार राज्य इकाइयों के साथ बैठकें की, संगठन को नए सिरे से मजबूत बनाने के लिए 2025 में काफी फैसले भी लिए गए। लेकिन उनका उतना असर नहीं हुआ, जितना अब हो रहा है। क्योंकि कार्यकर्ता भी देख रहे हैं कि राहुल गांधी के साथ—साथ समूचा विपक्ष सड़क

पर उतर आया है। यह संघर्ष चुनावों में हार की निराशा को दूर करने में असरकारी साबित हो रहा है। हालांकि इस संघर्ष का नतीजा क्या निकलेगा, यह अनुमान लगाना थोड़ा मुश्किल है। क्योंकि एक ही मुद्दे यानी एसआईआर में गड़बड़ी और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे पर दो समानांतर आंदोलन चल रहे हैं। इंडिया गठबंधन के अलावा कॉकरोच जनता पार्टी ने भी 10 अक्टूबर को जंतर—मंतर पर आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले आठ अक्टूबर को बंगलुरु में उसने प्रदर्शन किया। जिसमें अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश राज और उनके साथ जर्मनी से आए यूट्यूबर ध्रुव राठी भी शामिल हुए। अब ये सभी लोग 10 अक्टूबर को भी जंतर—मंतर पर रहेंगे। वामपंथी छात्र संगठन नेहा बोरा ने भी 10 अक्टूबर के आंदोलन के लिए सभी से जुटने का आह्वान किया है। अभी 2 अक्टूबर को ही योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण, कपिल सिब्बल, मनोज झा आदि के साथ भी नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

जुलाई में पेपर लीक के खिलाफ भी ऐसे ही दो अलग—अलग मोर्चे खोले गए थे। राहुल गांधी तो छात्रों की गूंज कर ही रहे हैं, उधर सीजेपी ने भी आंदोलन किया था। हालांकि धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा हो गया तो दोनों को ही सफलता मिली। लेकिन इस आंदोलन में भी नेहा बोरा मंच के नीचे अनशनरत थीं। और उन्हें राहुल गांधी ने खास तौर पर बुलाकर मुलाकात की थी, न्याय के लिए संघर्ष में साथ देने का वादा किया था। मगर अब नेहा बोरा ने वोट चोरी के खिलाफ 10 तारीख को तो एकजुट होने की बात कही, लेकिन इंडिया गठबंधन ने जो मोर्चा खोला है, जिस तरह रोज प्रर्शन हो रहे हैं, उसमें सहजने साथ आने क्यों नहीं कहा, यह विचारणीय है। छह तारीख को नेहा ने एक पोस्ट भी लिखी कि कुछ जन—प्रतिनिधि अपना काम कर रहे हैं और लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं, जबकि दूसरे अपने दिन गिनने में लगे हैं...इस पोस्ट के साथ राहुल गांधी का वीडियो उन्होंने लगाया है जिसमें पुलिस उन्हें जबरन पकड़ कर ले जा रही है। किसी तरह की अतिरिक्त घोषणा को बदलाव ही कहेंगे। फार्म—6 में केवल सरकार बदलाव कर सकती है। फिर आयोग ने ऐसा क्यों किया है। दरअसल, उसे पूरा यकीन है कि वह कुछ भी करे सरकार और सुप्रीम कोर्ट उसके साथ हैं। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने अच्छे संकेत दिए हैं। 5 अक्टूबर को एक याचिका की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि हमने फार्म—6 बदलने की मंजूरी नहीं दी है। आयोग के एकतरफा फैसले रह होंगे। कोर्ट ने यह भी कहा कि सीईसी को कानून के तहत मिले संरक्षण की जांच की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों में चुनाव आयोग के अधिकारों की रक्षा की है और उसका विस्तार किया गया है। वोटरों के अधिकारों का कोर्ट ने इतना समर्थन नहीं किया है। 13 करोड़ लोगों का मताधिकार खत्म किए जाने और उसके खिलाफ भड़के विरोध का दबाव यदि जारी रहता है तो चुनाव आयोग की मनमानी पर अंकुश संभव है। वैसे, सरकार से पीछे हटने या चुनाव आयोग पर अप्रत्यक्ष दबाव डालने की उम्मीद कम है। यदि ऐसा ही करना होता तो सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को असीमित अधिकार देने के कानून नहीं बनाती। 2023 में पास कानून की धारा 16 में प्रावधान है कि कोई भी अदालत ऐसे किसी व्यक्ति के खिलाफ सिविल या आपराधिक कार्यवाही स्वीकार नहीं करेगी।

वोटर के अधिकार की रक्षा सबसे ज्यादा जरूरी

राजेश पांडेय भारत के चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर विवाद गहराता जा रहा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार हर किसी के निशाने पर हैं। उन्हें हटाने की मांग और मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया रद्द करने के लिए देश की सुप्रीम कोर्ट में नए सिरे से याचिका दायर की गई है। उनके खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। नीट पेपर लीक मामले में सरकार को शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा करने के लिए मजबूर करने वाली कॉकरोच जनता पार्टी और कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। इस बहस में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति, पूर्व न्यायमूर्ति, चुनाव आयोग के पूर्व आयुक्त और विधि विशेषज्ञ आगे आए हैं। केवल सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी चुनाव आयोग के साथ खड़ी है। उसके पास आयोग के बचाव में ठोस और कारगर दलीलें नहीं हैं। फिर भी, उसके कई प्रवक्ता सक्रिय रहते हैं। समझ से परे है कि चुनाव आयुक्त पर संदेह जताने और सवाल उठाने का बचाव भाजपा की तरफ से क्यों होता है। भाजपा का बचाव चुनाव आयोग की मुश्किलों को और बढ़ा रहा है। संदेह पैदा होता है कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है। वैसे भी, सरकार ने

आयोग की विश्वसनीयता पर संदेह स्वाभाविक है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्जल भुयन ने मामले से जुड़े मुद्दों का गहराई से विश्लेषण किया है।जस्टिस भुयन ने 4 अक्टूबर को एक व्याख्यान में कहा, श्कोई भी ऐसी प्रक्रिया जो भारतीय नागरिकों को बड़े पैमाने पर मताधिकार से वंचित करती है और उन्हें बिना मतदान का नागरिक बनाती है, वह संविधान का उल्लंघन होगी। किसी भी तरह के टालमटोल या अन्य तर्कों से इसे सही नहीं ठहराया जा सकता है। किसी भारतीय नागरिकों से वोट देने का अधिकार छीनना, उसके शरीर से आत्मा निकालने के समान होगा। यह संविधान की मूल भावना पर आघात हैच। उम्मीद कर सकते हैं कि चुनाव कोर्ट एसआईआर और चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों की प्रक्रिया पर सुनवाई करते हुए अपने सहयोगी जज के कथन पर गौर करेगा। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश रोहिंटन फली नरीमन ने जस्टिस भुयन की बात को और आगे बढ़ाया है। उन्होंने एक अन्य व्याख्यान में कहा कि आपके पास ऐसा चुनाव आयोग नहीं हो सकता जो इस तरह काम करे या जिसका कामकाज इतना खराब हो। वे सवाल उठाते हैं, मतदाताओं को इतने बड़े पैमाने पर बाहर करने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक क्यों नहीं लगाई। पश्चिम बंगाल चुनावों

में 90 लाख वोटरों को मताधिकार से वंचित कर दिया गया। यह हैरान करने वाला आंकड़ा है। वे जोर देते हैं, 90 लाख वोटरों का मताधिकार से वंचित होना भी सुप्रीम कोर्ट को इस पर रोक लगाने के लिए प्रेरित नहीं कर सका। सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व और एक वर्तमान न्यायाधीश की चिंता चुनाव आयोग की कार्यशैली के खिलाफ व्याप्त बेचौनी और असंतोष की झलक दिखाती हैं। वैसे, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस बीआर गवई ने किसी का नाम लिए बिना कहा है किश् सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट या किसी अन्य कोर्ट के जज या रिटायर्ड जज को उन मामलों में नहीं बोलना चाहिए जो किसी कोर्ट के सामने पेंडिंग हैंश्। जस्टिस गवई ने एसआईआर में हुई धांधली पर कुछ बोलने की जरूरत नहीं समझी है। यहां एक बात का जिक्र कर सकते हैं। पत्रकार करण थापर को एक इंटरव्यू में सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट दुष्यंत दवे ने कहा है कि कुछ साल पहले जस्टिस गवई ने जज लोया की मौत के मामले में उस वक्त टिप्पणी की थी जब इस मामले की कोर्ट में सुनवाई हो रही थी। न्यायाधीशों का देश, समाज,संविधान, कानून के शासन से जुड़े मुद्दों पर बोलना नई बात नहीं है। अलबत्ता, 2014 के बाद खुली अभिव्यक्ति में कमी आई थी। डर का माहौल लोगों को बोलने

भारत का चुनावी संकट अब ले रहा सर्वोच्च न्यायालय की परीक्षा

के स्वीड्रन

भारत की चुनाव प्रणाली अब ऐसी स्थिति में पहुंच गयी है जहां बहस सिर्फमतदाता सूची में गलतियों तक सीमित नहीं है। ज्यादा अहम सवाल यह है कि क्या नागरिक उस संवैधानिक संस्था पर भरोसा बनाए रख सकते हैं, जिसे यह तय करने की जिम्मेदारी दी गई है कि सूची में कौन शामिल होगा, नाम कैसे हटाए जाएंगे और क्या इस प्रक्रिया के नियम निष्पक्ष रूप से लागू किए जा रहे हैं? चुनाव आयोग के दावों के बावजूद, भारतीय की जनता के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप ज्यादा विश्वसनीय लग रहे हैं। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े घटनाक्रमों ने इस विवाद को महज एक आम पक्षपाती शिकायत मानकर खारिज करना मुश्किल बना दिया है। सर्वोच्च न्यायालय ने मई में फैसला सुनाया था कि चुनाव आयोग के पास भारत के संविधान के अनुच्छेद 324 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत बिहार में एसआईआर करने का अधिकार है। इसलिए, यह फैसला इस बात का समर्थन नहीं करता कि एसआईआर अपने आप में असंवैधानिक है। लेकिन असली मुद्दा अब इस बात पर आ गया है कि उस अधिकार के इस्तेमाल कैसे किया गया, नाम हटाने को लेकर क्या सुरक्षा उपाय अपनाए गए, और क्या आयोग के फैसले एक बहु—सदस्यीय संवैधानिक संस्था के लिए जरूरी सामूहिक प्रक्रिया के जरिए लिए गए थे? एसआईआर के साथ—साथ एक और अनसुलझा संस्थागत मुद्दा भी चल रहा है। सर्वोच्च

न्यायालय की एक बेंच ने गत सितंबर माह में बंटा हुआ फैसला सुनाया था कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से जुड़े 2023 के कानून को चुनौती देने वाले मामलों को संविधान पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। उस कानून ने चयन समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश की जगह प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री को शामिल कर दिया, जिससे चयन करने वालों में प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और नामित मंत्री शामिल हो गए। मामला अगले प्रक्रियात्मक कदम के लिए मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा गया है। कुल मिलाकर, ये विवाद चुनावी वैधता के तीन चरणों से जुड़े हैं, रेफरी की नियुक्ति कौन करता है, रेफरी फैसले के कैसे लेते हैं और जिनकी देखरेख में चुनाव हो रहा है, उसमें कौन हिस्सा ले सकता है। सड़कों पर इसके राजनीतिक नतीजे पहले ही दिखने लगे हैं। युवाओं के नेतृत्व वाली कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध—प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी राजनीतिक पार्टियां, सामाजिक संगठन और छात्र समूह प्रदर्शनों में शामिल हुए हैं। दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के दौरान सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया और आगे और लामबंदी की घोषणा की गई है। चुनाव आयोग उन आरोपों को खारिज करता है कि उसके कार्यों का उद्देश्य सत्ताधारी भाजपा को लाभ पहुंचाना था, जबकि प्रदर्शनकारी और विपक्षी दल ठीक ऐसे ही पक्षपाती परिणामों का आरोप लगाते हैं। उन विरोध प्रदर्शनों को आरोपों के सबूत के तौर

पर नहीं देखा जाना चाहिए। न ही जन आक्रोश को संवैधानिक फैसले का विकल्प माना जाना चाहिए। उनका महत्व कहीं और हैरू वे दिखाते हैं कि क्या होता है जब प्रशासनिक प्रक्रिया पर बहस लोकतांत्रिक वैधता के विवाद में बदल जाती है। संवैधानिक प्रणाली में अभी भी ऐसे रास्ते हैं जिनसे विवाद को सुलझाया जा सकता है। सर्वोच्च न्यायालय रिकॉर्ड मांग सकता है, जांच कर सकता है कि क्या कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया था, आयोग के भीतर असहमति के कानूनी महत्व को निर्धारित कर सकता है, पात्र मतदाताओं को गलत तरीके से बाहर किए जाने से बचा सकता है और उल्लंघन साबित होने पर उपाय बता सकता है। इनमें से किसी के लिए भी न्यायालय को संविधान को फिर से बनाने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए उन परिस्थितियों में न्यायिक समीक्षा के कठोर अनुप्रयोग की आवश्यकता है जिनके लिए संविधान को बनाया गया था। अधिक खतरा तब पैदा होगा जब आधिकारिक जवाब आने से पहले ही आम संवैधानिक उपायों पर जनता का भरोसा खत्म हो जाए। एक बार जब नागरिक यह निष्कर्ष निकाल लेते हैं कि चुनाव चुनावी प्रशासन में विफलताओं को ठीक नहीं कर सकते क्योंकि चुनाव कराने वाली मशीनरी ही विश्वसनीय जांच से परे है, तो विवाद गोल—गोल घूमने लगता है। राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब बहस को सुलझा नहीं सकती क्योंकि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की वैधता ही बहस का विषय है। भारत उस बिंदु पर नहीं पहुंचा है जहां बड़े पैमाने पर विद्रोह ही

एकमात्र विकल्प हो। अदालतें काम कर रही हैं, याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है, चुनाव आयोग आलोचना का जवाब दे रहा है और शांतिपूर्ण विरोध लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का हिस्सा बना हुआ है। इसलिए, संवैधानिक उपायों के खत्म हो जाने की घोषणा करना तथ्यों से आगे की बात होगी। लेकिन मौजूदा टकराव में छिपी चेतावनी को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। चुनावी लोकतंत्र आखिरकार कानूनों, मशीनों या मतदाता डेटाबेस की तुलना में अधिक नाजुक चीज पर टिका होता है। यह इस विश्वास पर टिका होता है कि हारने वाले को लगता है कि मुकाबला ईमानदारी से आयोजित किया गया था और मतदाता को लगता है कि भाग लेने का अधिकार किसी अपारदर्शी प्रक्रिया से गायब नहीं हो सकता। वह भरोसा अब असामान्य दबाव में है। इसे बहाल करने के लिए चुनौती का सामना कर रही संस्था के आश्वासनों और उसके राजनीतिक विरोधियों के आरोपों से कहीं अधिक की आवश्यकता है। इसके लिए स्वतंत्र जांच में टिकने वाले तथ्यों और राजनीतिक विभाजन के पार अधिकार रखने वाले संवैधानिक जवाबों की आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय अब उस स्थिति में है जहां से वे जवाब सबसे विश्वसनीय रूप से सामने आ सकते हैं। जरूरी बात यह नहीं है कि एक पक्ष को दूसरे पक्ष से बचाया जाए, बल्कि यह है कि मतदाता सूची को लेकर होने वाले विवाद को इस बात के झगड़े में बदलने से रोका जाए कि क्या लोकतांत्रिक रेफरी पर अब भी भरोसा किया जा सकता है?

रोटरी अरिहंत ने दिव्य ज्योति निकेतन में चलाया ‘प्रोजेक्ट पोषण’ अभियान

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद अरिहंत द्वारा दिव्य ज्योति निकेतन (दृष्टिबाधित बालिकाओं के आवासीय गृह) में ‘प्रोजेक्ट पोषण – हमारी बेटियाँ, हमारी जिम्मेदारी’ के तहत सेवा कार्यक्रम आयोजित



किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को आटा, दाल, चावल, देसी घी, रिफाइंड तेल, सरसों का तेल, नमक, सूजी, चीनी, बिस्कुट, चिप्स, चॉकलेट आदि खाद्य सामग्री वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं की पोषण संबंधी जरूरतों में सहयोग देना और उनके जीवन में स्नेह व खुशियाँ बाँटना था। क्लब के संस्थापक एवं सलाहकार रोटेरियन शशांक जैन के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया गया। चार्टर अध्यक्ष रो. डॉ. कीर्ति अग्रवाल ने कहा कि बेटियाँ समाज का गौरव हैं और उनकी देखभाल हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं के चेहरे पर मुस्कान लाना ही इस पहल की सार्थकता है। चार्टर सचिव रोटेरियन प्रीति जैन ने कहा कि जरूरतमंद बालिकाओं की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन मयंक अग्रवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट पोषण के माध्यम से बालिकाओं की आवश्यकताओं को पूरा करना एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में रो. निधि अग्रवाल, रो. कन्हैया अग्रवाल, रो. तुषार गुप्ता, रो. शिखा अग्रवाल, रो. संंध्या अग्रवाल, रो. अंकित अग्रवाल, सिस्टर ज्योतिका सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

डाक विभाग, प्रयागराज परिक्षेत्र द्वारा जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी प्रयागफिलेक्स-2026 का भव्य शुभारंभ

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज, 10 अक्टूबर। डाक विभाग, प्रयागराज परिक्षेत्र के अंतर्गत आयोजित होने वाली तीन दिवसीय जिला स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी षयागफिलेक्स–2026 के छात्रों के लिए विशेष कार्यशाला और प्रश्नोत्तरी (फनप्र) एवं फिलेटलिक वर्कशॉप का आयोजन किया गया कार्यक्रम का संचालन डा. मनीषी बंसल, एवं श्री राहुल गंगोली, एवं डा. आदित्य सिंह द्वारा किया गया, कार्यक्रम मे भाग लेने वाले सभी छात्रों को प्रवर डाक पाल श्री अशोक कुमार त्रिपाठी द्वारा गिफ्ट दिया गया आयोजन में श्री राजेश वर्मा, पी आर आई , एवं इंचार्ज फिलेटलिक ब्यूरो श्री प्रदीप पाठक, श्री रजनीश श्रीवास्तव, मो. मतीन, ए पी एम उपस्थित रहे कार्यक्रम को आयोजित कराया.

प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया प्रश्नोत्तरी के विजेता बच्चों को कल 11–10–2026 को पुरस्कार वितरण किया जायेगा, प्रयागराज अभिभावकों और नागरिकों से अपील की है कि 11 अक्टूबर 2026 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में अवश्य पधारें और भारतीय संस्कृति व इतिहास के इस अनूठे सफर का हिस्सा बनें।

कार्यक्रम का विवरण :-

आयोजन : प्रयागफिलेक्स–2026 (जिला स्तरीय फिलैटेलिक प्रदर्शनी)

कार्यक्रम का समापन एवं पुरस्कार वितरण

दिनांक : 11–10–2026 को समय, 3 बजे दोपहर

स्थान :- गाँधी कला विधिका NCZCC प्रयागराज।

तीन दिवसीय AWES बास्केटबॉल नेशनल

टूर्नामेंट (बालिका वर्ग) का भव्य समापन

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। आर्मी पब्लिक स्कूल, न्यू कैंट, प्रयागराज में दिनांक 08 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हुए तीन दिवसीय ैं बास्केटबॉल नेशनल टूर्नामेंट (बालिका वर्ग) का आज दिनांक 10 अक्टूबर 2026 को समापन हुआ। तृतीय दिवस के खेलों का शुभारंभ स्कूल एसओ लेपिटनेंट कर्नल अर्जुन राव सर द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती नीना शंकर एवं समस्त निर्णायक मंडल उपस्थित रहे। फाइनल दिवस पर कुल तीन निर्णायक मुकाबले खेले गए। पाँचवें एवं छठे स्थान के लिए हुए पहले मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल, ओल्ड कैंट, प्रयागराज के

11 अंकों के मुकाबले में आर्मी पब्लिक स्कूल, खडकी, पुणे के 24 अंकों के मुकाबले आर्मी पब्लिक स्कूल, हिसार, हरियाणा के 27–24 से जीत दर्ज कर तृतीय स्थान पर कब्जा जमाया। स्वर्ण पदक के लिए खेला गया फाइनल मुकाबला आर्मी पब्लिक स्कूल, क्लेमेंट टाउन और आर्मी पब्लिक स्कूल, कंदोरोरी, पंजाब के बीच हुआ, जिसमें क्लेमेंट टाउन के 28 अंकों के मुकाबले कंदोरोरी, पंजाब ने 30–28 से शानदार जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफी जीती। अंतिम वरीयतारु प्रथम – कंदोरोरी, पंजाब (वेस्टर्न कमांड), द्वितीय – क्लेमेंट टाउन (सेंट्रल कमांड), तृतीय – हिसार, हरियाणा (साउथ वेस्टर्न कमांड), चतुर्थ – खडकी, पुणे (सदरन कमांड), पंचम – कोलकाता (ईस्टर्न कमांड), षष्ठम – ओल्ड कैंट, प्रयागराज। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष ब्रिगेडियर नवनीत डागर, सेना मेडल, डिप्टी जीओसी, पूर्वी उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश सब एरिया रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा विजेता टीम कंदोरोरी, पंजाब को

₹30,000– एवं उपविजेता टीम क्लेमेंट टाउन को ₹30,000– का नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। अपने समापन उद्बोधन में अध्यक्ष महोदय ने टूर्नामेंट के सफल एवं सुचारु आयोजन के लिए विद्यालय की प्राचार्या नीना शंकर एवं इवेंट कोऑर्डिनेटर जागृति गुप्ता के अथक परिश्रम एवं उत्कृष्ट प्रबंधन की विशेष रूप से सराहना की।

भव्यता, श्रद्धा, भक्ति भाव से निकाली गई कर्ण घोड़े की शोभा यात्रा

लगभग 20 फीट ऊंचा कर्ण घोड़े को सच्चे मोतियों और लाइटिंग से सजाया गया दर्जनों झांकियां डीजे पंजाबी ढोल पार्टी, डमरू वादक शामिल हुए

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज शनिवार पथर चट्टी द्वारा कर्ण घोड़े की शोभा यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई सबसे पहले वैदिक रीति और मंत्रोच्चार के साथ कर्ण घोड़े की पूजा अर्चना और आरती की गई आरती प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने किया जय श्री राम के जयकारे के साथ शोभा यात्रा प्रारंभ होती है दर्जनों डीजे और मनमोहन झांकियां अपने प्रदर्शन से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर रहीं थी सड़क के दोनों साइड भक्त हाथ जोड़कर और फूलों की वर्षा करके दर्शन कर रहे थे।

कर्ण घोड़े को भगवान श्री राम का दूत माना जाता है। कहावत है कि लव –कुश ने महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में राम के अश्रुमध यज्ञ घोड़े को बंधा था उसी की याद में या परंपरा चली आ रही है। डीजे पर बज रहे भजन राम न चले हनुमान के बिना हनुमान ना चले राम के बिना भक्त भक्ति में मग्न थे और थीरक रहे थे। कर्ण घोड़े की



भक्तों ने आरती की फूलमाला चढ़ाया कमेटी के सदस्यों का स्वागत किया गया। शोभा यात्रा हीवेट रोड स्थित राम मंदिर चमेली देवी धर्मशाला से प्रारंभ होकर कोठा पाचा बहादुरगंज लोकनाथ ठठेरी बाजार घंटाघर जॉनसेन गंज बादशाही मंडी होते हुए रामलीला मैदान में समाप्त

हुआ। कोतवाली क्षेत्र की एसीपी निकिता श्रीवास्तव ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए थी तेज तर्रार कोतवाली इंचार्ज सुधीर कुमार सिंह पूरे समय शोभा यात्रा को संकुशल संपन्न कराने में लगे हुए थे। शोभा यात्रा में विजय कुमार सिंह, रमेश कुमार जायसवाल, शेष नारायण द्विवेदी,

धर्मेंद्र कुमार भैया जी, सतीश केसरवानी, दिनेश सर्राफा, विजय वैश्य, गोपाल जी, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, उमा लाल पांडे, राजेश वैश्य, राजेश सिंह, महेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश मल्होत्रा, मोहम्मद आमिर, अकरम शगुन, विधायक समेत दर्जनों पार्षद समाजसेवी शोभा यात्रा में शामिल हुए।

वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरिप्रकाश यादव को पितृशोक, दी श्रद्धांजलि

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। वरिष्ठ शिक्षक नेता और उ प्र माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव के पिता वरिष्ठ समाजसेवी रामपाल यादव का निधन हो गया। वह 75 वर्ष के थे जो बीमार चल रहे थे। उपचार के लिए डा राममनोहर लोहिया अस्पताल लखनऊ में भर्ती कराया गया था। शुक्रवार की शाम में उन्होंने अंतिम सांस लिया। वह अपने पीछे चार पुत्र ओम प्रकाश यादव, डा हरि प्रकाश यादव, राम प्रकाश यादव और जय प्रकाश यादव सहित पूरा परिवार छोड़ गये हैं। अंतिम संस्कार शनिवार को धोपाप घाट, लंमुआ, सुल्तानपुर में आज हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। एकजुट के जिलाध्यक्ष देवराज सिंह की अध्यक्षता में शोक सभा हुई जिसमें वक्ताओं

ने ईश्वर से मृत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संपत्त परिवार को सात्वना दी। शोकसभा में एकजुट के वरिष्ठ नेता उपाध यक्ष उपेन्द्र वर्मा, सुरेन्द्र सिंह, मिथलेश मौर्य, लक्ष्मीनारायण सिंह, सुधाकर ज्ञानार्थी, विजय यादव, कुशांभ यादव सहित अन्य लोग थे। बेसिक शिक्षा के निदेशक अनिल भूषण चतुर्वेदी, बेसिक शिक्षा सचिव सुरेन्द्र कुमार तिवारी, यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह, एडी माध्यमिक कामताराम पाल, एडी बेसिक मनोज द्विवेदी

पत्राचार निदेशक सीएल चौरसिया, जेडी फाइनंस महेन्द्र कुमार सिंह, यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव दिव्यकांत शुक्ला, पूर्व जेडी आर एन विश्वकर्मा, यूपी बोर्ड के क्षेत्रीय अपर सचिव कमलेश कुमार, पीएनपी सचिव राजेन्द्र प्रताप, पीएनपी के



रजिस्ट्रार विपेन्द्र सिंह, एडी बेसिक संजय कुमार कुशवाहा ,वरिष्ठ शिक्षाधिकारी दलसिंगार यादव, यूपी बोर्ड के अपर सचिव प्रशासन एसके सिंह, उप सचिव श्रीमती शालिनी यादव, डीआईओएस डा संतोष कुमार राय, बीएसए अनिल कुमार,

एडीआईओएस जितेन्द्र सिंह, नीरज केसरी और गिरी जी, माध्यमिक और बेसिक की वित्त अधिकारी श्रीमती नीतू यादव, बेसिक शिक्षा के उप सचिव अजय कुमार सिंह,जीआईसी के प्रधानाचार्य धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य ने शोक संवेदना व्यक्त की है। प्रधानाचार्य डा संतोष कुमार शुक्ला, प्रधानाचार्य डा दुर्गविजय सिंह, प्रधानाचार्य डा शैलेश कुमार पाण्डेय, प्राचार्य डा सत्यव्रत मिश्रा, प्रधानाचार्य डा योगेन्द्र सिंह सहित बड़ी संख्या में प्रधानाचार्य और शिक्षक, शिक्षिकाओं ने एकजुट के संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव के पिता के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त किया है। आर्य कन्या ग्रुप के शासीनिकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल, वरिष्ठ समाजसेवी राजीव कुमार मिश्र, राज तिवारी, दिव्यांश पाण्डेय सहित अन्य लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त किया है।

पितरों को बड़ी संख्या में लोगों ने दी विदाई

संगम, दारागंज, अरैल, शिवकुटी घाट पर तर्पण करने वालों की रती भीड़ पूर्वजों को किये गए पिंडदान का फल प्राप्त होता है और मोक्ष मिलता है : स्वामी चन्ददेव

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। पितृ मोक्ष अमावस्या यानि पितृ विसर्जन के मौके पर आज तीर्थ राज प्रयाग में पूर्वजों की आत्मा की शान्ति और मुक्ति के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। इस मौके पर देश के कोने–कोने से श्रद्धालु संगम नगरी में पहुंचकर पूर्वजों का पिण्डदान और तर्पण कर रहे हैं। इसके साथ ही श्रद्धालु त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाकर अपने पूर्वजों की आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना भी कर रहे हैं। शनिवार के दिन पितृ अमावस्या पड़ने से इसे शनिश्चरी अमावस्या भी कहा जा रहा है। जिससे इसका महत्व कई गुना बढ़ गया है। नैनी के अरैल स्थितसच्चा बाबा आश्रम के महंत स्वामी चन्द्रदेव महाराज का कहना है कि सनातन धर्म में पितृ पक्ष में पिंडदान का विशेष महत्व है। ऐसी मान्यता है कि इन दिनों में पूर्वजों को किये गए पिंडदान का फल उन्हें प्राप्त होता है और मोक्ष मिलता है। हिन्दू धर्म में पिंडदान प्रयाग,काशी और गया में ही होता है। लेकिन पितरों के श्राद्ध कर्म की शुरुआत प्रयाग के संगम तट पर मुण्डन



संस्कार से ही होती है। श्रद्धालु यहां मुंडन करारकर सत्रह पिंड तैयार करते हैं और विधि विधान से पूजा अर्चना के बाद उसे संगम में विसर्जित करते हैं। ऐसी भी मान्यता है कि पितृ पक्ष में संगम में पिंडदान करने से पितृ ऋण से भी मुक्ति मिलती है।

तीर्थ पुरोहितों के अनुसार पितृ अमावस्या के मौके पर संगम में केश दान कर पिंडदान करने से गया में पिण्डदान के बराबर ही पुण्य लाभ की प्राप्ति होती है। पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन पितृ पक्ष में धरती पर आये पितरों को याद कर उन्हें विदाई दी जाती है। इस दिन का इतना बड़ा महत्व है कि यदि पूरे पितृ पक्ष में कोई पितरों का तर्पण नहीं कर सका है,तो

इस दिन पितरों को याद कर दान करने और गरीबों को भोजन

पेंशनर्स, कर्मचारी चिकित्सा प्रति पूर्ति ऑफ लाइन रोक लगाने से परेशान आठवें वेतन आयोग के टीओआर में संशोधन ना करने, वेलिडेशन एक्ट वापस ना लिए जाने, पुरानी पेंशन बहाल ना होने से आक्रोशित

नवंबर में जन्तर – मन्तर पर देंगे धरना : आर एस वर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। गवर्नमेंट पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन की बैठक पूर्व मंडलायुक्त आर एस वर्मा की अध्यक्षता में विकास भवन के सरस सभागार में आज हुई। बैठक में सदस्यों ने कहा कि सरकार लगातार पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात कर रही हैं। 9 सितंबर 2026 को पेंशनर्स के चिकित्सा बिलों पर ऑफ लाइन लेने पर रोक लगा।

गवर्नमेंट पेंशनर्स वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष मंडलायुक्त आर एस वर्मा ने कहा कि नई ऑन लाइन व्यवस्था शुरू की जो अत्यंत जटिल है और जिसे वृद्ध पेंशनर्स और गरीब चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी षपेंशनर्स के लिए करना लगभग असंभव है। इस व्यवस्था की जानकारी कराने के लिए प्रशिक्षण भी ऑन लाइन होना था वह भी ठीक से नहीं हुआ ही नहीं और मुख्य

आंदोलन सफल बनाने बड़ी संख्या में कांग्रेसी दिल्ली रवाना

गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद की अगुवाई में फाफामऊ विस प्रभारी मंजू मोर्या के साथ बड़ी संख्या में लोगों ने किया दिल्ली कूच

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। कांग्रेस गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद की अगुवाई में फाफामऊ विधानसभा प्रभारी मंजू मोर्या के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में आयोजित ‘वोट चोर, गद्दी छोड़’ कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सड़क मार्ग से दिल्ली रवाना हो गये।



कार्यक्रम में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे चुनावी पारदर्शिता और मताधिकार से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की मजबूती और जनता के वोट की अहमियत पर जोर दिया।इस दौरान कांग्रेस गंगापार जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का वोट सबसे बड़ी ताकत है और उसकी निष्पक्षता व पारदर्शिता सुनिश्चित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी लगातार लोकतांत्रिक मूल्यों और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवाल उठा रहे हैं।

जिलाध्यक्ष श्री अहमद ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए आवाज उठाने की अपील की। इस अवसर पर वाररुम प्रभारी सददाम हुसैन सिददीकी, वरिष्ठ मोर्या, मो.फारुक, शैलेंद्र मोरिया, प्रमोद कुमार, मो.शमीम, सूरज कुमार मोनू, शिवशंकर नीम कुमार, गौरव, सतीश कुमार, रामसजीवन, राम नारायण, शिवशंकर मोर्या, अफजाल अहमद, डॉ जय कुमार सिंह, सुरभान मोर्या, आरडी मोर्या, महेश चंद, अश्विन कुमार, सूरज कुमार,धर्मेंद्र कुमार, शिवमूर्ति, अमन कुमार आदि लोग शामिल रहे।

इम्पोस्टर खड़ा कर जमीन का दानपत्र

कराने का आरोप, डीएम से शिकायत

बारा तहसील में चार दानपत्रों के जरिए भूमि हस्तांतरण का मामला, नामांतरण रोकने की मांग

प्रातःकाल एक्सप्रेस
प्रयागराज। बारा तहसील क्षेत्र में जमीन के फर्जी दानपत्र तैयार कराए जाने का आरोप सामने आया है। डेरा गांव निवासी शम्भूलाल पुत्र भैरोदीन यादव ने जिलाधिकारी प्रयागराज से शिकायत कर मामले की जांच कराने और संबंधित भूमि के नामांतरण पर रोक लगाने की मांग की है। प्रार्थी का आरोप है कि उसकी जानकारी और सहमति के बिना किसी दूसरे व्यक्ति को उसके स्थान पर खड़ा करके जमीन का दानपत्र करा लिया गया। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। शिकायत के अनुसार, शम्भूलाल ग्राम डेरा, परगना एवं तहसील बारा, जिला प्रयागराज के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि मौजा डिहवा की आराजी संख्या 83 और 84 सहित मौजा डेरा एवं मौजा बन बिहरिया में उनकी काश्तकारी की भूमि है। आरोप है कि उक्त भूमि को लेकर आरती यादव पुत्री सूर्यपाल यादव, पत्नी राजकुमार यादव, निवासी ग्राम महुली, मजरा कतरी, तहसील कोरांव के नाम दानपत्र पंजीकृत करा दिए गए। प्रार्थी का कहना है कि वह दानपत्र कराने के लिए कभी भी तहसील बारा स्थित उपनिबंधक कार्यालय नहीं गया। उसने न तो किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और न ही अंगूठे का निशान लगाया। इसके बावजूद उसकी भूमि से संबंधित दानपत्र पंजीकृत होने की जानकारी मिली। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इस पूरे मामले में किसी अन्य व्यक्ति को उसके स्थान पर खड़ा किए जाने की आशंका है।

खरीदारों के पहुंचने पर हुई जानकारी शम्भूलाल ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी तब हुई, जब उनकी भूमि खरीदने के लिए कुछ संभावित खरीदार मौके पर पहुंचे। इसके बाद वह तहसील पहुंचे और उपनिबंधक कार्यालय में जानकारी प्राप्त की। उनके अनुसार, वहां पता चला कि आरती यादव के नाम पर चार दानपत्र पंजीकृत किए गए हैं। शिकायत में दस्तावेजों का पंजीकरण संख्या 5270६2026 का भी उल्लेख किया गया है। प्रार्थी ने संबंधित दस्तावेजों की प्रमाणित नकल प्राप्त करने के लिए आवेदन करने की बात कही है।

भतीजी पर दस्तावेजों के दुरुपयोग की आशंका शिकायतकर्ता ने बताया कि आरती यादव उसके भतीजे सूर्यपाल यादव की पुत्री है और पहले उसके घर आती–जाती रही है। आरोप है कि वह लगभग एक वर्ष तक उसके घर में रही थी और जून 2026 के अंतिम सप्ताह में अपने घर चली गई। शम्भूलाल को आशंका है कि इसी दौरान उसके भूमि संबंधी दस्तावेजों की फोटो कॉपी हासिल कर उनका दुरुपयोग किया गया होगा। प्रार्थी ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दानपत्रों के पंजीकरण में पहचान और हस्ताक्षरों की जांच कराने तथा जांच पूरी होने तक संबंधित भूमि के नामांतरण की कार्रवाई रोकने की मांग की है।

चिकित्सा अधिकारी के यहां अब ऑफ लाइन चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के लेने पर रोक की तख्ती लटका दी गई। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार शासनादेश द्वारा नई पर्यय योजना वाले सेवा निवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति के भुगतान पर रोक लगा दी गई।जिस पर 29 जून 2026 को अपर मुख्य सचिव स्वस्थ एवं परिवार कल्याण और मुख्यमंत्री को उन्हेें भी नई सरकारी खर्च

पर इलाज और चिकित्सा प्रतिपूर्ति किए जाने के मांग की गई।फिर भी अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष पूर्व मंडलायुक्त आर एस वर्मा ने कहा कि इसी प्रकार 8–9 वर्ष पूर्व सक्षम प्राधिकारी नगर भूमि सीमा रोपड़ कार्यालय के सेवा निवृति कर्मचारियों,जिनके विरुद्ध सेवा निवृति के समय कोई कार्यवाही लंबित भी नहीं थी।

बीजेपी देश के लोकतंत्र को तानाशाही में बदलने का षडयंत्र रच रही : प्रमोद तिवारी

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने वोट चोरी के मुद्दे पर संघर्ष में सांसदों के साथ दुर्व्यवहार पर मोदी सरकार को घेरा

प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रतापगढ़ । राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने चुनाव आयोग पर बीजेपी के इशारे पर मनमाना बदलाव का आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र के लिये गंभीर खतरा करार दिया है। वहीं कांग्रेस की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने लखनऊ में भाजपा महिला मोर्चा के प्रदर्शन के दौरान राहुल गाँधी के पोस्टर फाड़े जाने को हताशा व अर्मायादित राजनैतिक कुंठा करार दिया है। राज्यसभा में विपक्ष के उप नेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि पिछले चार दिनों से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के त्यागपत्र को लेकर



प्रतिक्रिया जताकर साबित कर है। उन्होंने कहा है कि विपक्ष की मौजूदगी को लोकतंत्र में जनता के अधिकार को दबाने का सरकार का दमनकारी कदम कहा है। उन्होंने कहा कि पचास मेट्रो स्टेशन बंद करते हुए ट्रेनों को उनके उद्गम स्थल से रोकना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन है। उन्होंने कहा कि सांसदों, छात्रों, वकीलों, नागरिक संगठनों के साथ पुलिस का ज्यादाती भरा अवैधानिक आचरण देश देख रहा है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि मोदी सरकार ने शासन में बने रहने का नैतिक अधिकार खो दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी लोकतंत्र की आवाज बन चुके हैं। सांसद प्रमोद तिवारी ने भाजपा की ताजा प्रेस कांफ्रेंस में संबित पात्रा की टिप्पड़ियों को भी असंसदीय व घटिया कहा है। उन्होंने कहा कि राहुल व प्रियंका के साथ पुलिस दुर्व्यवहार मोदी सरकार के पतन का कारण

बनेगी। वहीं लखनऊ में भाजपा महिला मोर्चा के काँग्रेस मुख्यालय के प्रदर्शन पर प्रदेश काँग्रेस की नवनियुक्त अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कड़ी नाराजगी जतायी है। उन्होंने कहा कि राहुल गाँधी का अराजक माहौल तैयार कर पोस्टरों को फाड़ना बीजेपी की बड़ी हताशा व कुंठा है। पीसीसी अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि दो दो चुनाव आयुक्त एसआईआर पर ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर सवाल उठा चुके हैं। आराधना मिश्रा ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश के इस्तीफा न होने की दशा में काँग्रेस लोकतंत्र की हिफाजत में जारी संघर्ष को और तेज करेगी। पीसीसी चीफ मोना ने कहा कि जूलूम, तानाशाही से बगैर डरे काँग्रेस बीजेपी के खिलाफ डटी रहेगी। नेता द्वय का बयान मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने शनिवार को निर्गत किया है।



छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ सकता है। किराना, कपड़ा, दवा, हार्डवेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, होटल-रेस्टोरेंट और फल-सब्जी विक्रेताओं जैसे कारोबारियों का मुनाफा पहले से सीमित रहता है। प्रत्येक डिजिटल लेन-देन पर शुल्क लगने से उनकी लागत बढ़ने की आशंका है। साथ ही ज्ञापन में कहा गया है कि 2,000 रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क की व्यवस्था छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के हितों को प्रभावित कर सकती है। व्यापार मंडल ने मांग की है कि सामान्य यूपीआई लेन-देन पर प्रस्तावित एमडीआर व्यवस्था लागू न की जाए तथा छोटे व्यापारियों को विशेष छूट और प्रोत्साहन दिया जाए। संगठन ने सरकार से भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), बैंकों और व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमर्श कर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान निकालने की भी मांग की है। व्यापार मंडल ने स्पष्ट किया कि वह डिजिटल भुगतान व्यवस्था का विरोध नहीं करता, बल्कि इसे सरल, सुरक्षित और किफायती बनाए रखने का पक्षधर है। संगठन ने सरकार से यूपीआई शुल्क व्यवस्था की पुनः समीक्षा कर छोटे एवं मध्यम व्यापारियों के हितों की रक्षा करने की अपील की है। इस दौरान मुकुन्द मिश्रा (राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री), राजेंद्र प्रसाद मिश्रा (जिलाध्यक्ष), कृष्ण चंद्र अग्रवाल, अशोक कुमार, पूरबी शुक्ल, दीपू कुशवाहा, गयासुद्दीन, बृजेश सिंघल, रवि अग्रहरि, सुनील, रामनरेश, रमाकांत, बिन्दा प्रसाद, प्रेम, शिव प्रसाद गुप्ता, शम्भू नाथ, राजेंद्र कुमार, पुरुषोत्तम मिश्रा, अखिलेश पाण्डेय सहित कई अन्य व्यापारी उपस्थित रहे हैं।

एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने सीएमओ कार्यालय पर दिया धरना, नियमितीकरण की उठाई मांग

समान कार्य-समान वेतन, वेतन वृद्धि और अन्य सुविधाओं की मांगय 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रस्तावित आंदोलन में शामिल होने की अपील

प्रातः काल एक्सप्रेस
फतेहपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों ने शनिवार को उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के बैनर तले मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने नियमितीकरण, समान कार्य के लिए समान वेतन सहित विभिन्न मांगों को प्रमुखता से उठाते हुए शासन से उनके शीघ्र निस्तारण की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार पटेल ने कहा कि एनएचएम के संविदा कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने संविदा कर्मचारियों को नियमित किए जाने, समान कार्य के लिए

समान वेतन व्यवस्था लागू करने और वर्तमान वेतन में वृद्धि किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उनकी सेवाओं के अनुरूप वेतन और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। धरना-प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने कैंशलेस चिकित्सा सुविधा, महंगाई भत्ता, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ), मकान किराया भत्ता और उपदान का लाभ दिए जाने की मांग भी उठाई। इसके अतिरिक्त रिक्त पदों पर अन्य जनपदों में स्थानांतरण की नीति लागू करने, मृतक आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति देने तथा बाह्य स्रोत से नियुक्त कर्मचारियों को जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजित करने की मांग की गई। संघ ने नियमित पदों पर होने वाली भर्तियों में संविदा कर्मचारियों के लिए कोटा निर्धारित करने की भी मांग रखी। कर्मचारियों का कहना है कि उनकी सेवा संबंधी समस्याओं का समाधान करते हुए शासन स्तर पर मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना चाहिए। वहीं आंदोलन को आगे बढ़ाने के क्रम में संघ ने 12 अक्टूबर को लखनऊ में प्रस्तावित कार्यक्रम में शामिल होने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार पटेल ने जनपद के सभी एनएचएम संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांगों को प्रभावी ढंग से शासन तक पहुंचाने के लिए एकजुटता आवश्यक है। धरना-प्रदर्शन में डॉ. प्रदीप कुमार पटेल, शिव प्रताप सिंह, सौरभ, रामजी सविता, अशोक, प्रदीप और दीपक सहित सैकड़ों संविदा कर्मचारी शामिल रहे।

अमावस्या पर ओमघाट में हुई गंगा आरती, भक्तों ने किया दीपदान

प्रातः काल एक्सप्रेस
फतेहपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत अमावस्या पर ओमघाट में गंगा बचाओ सेवा समिति, नमामि गंगे एवं जिला गंगा समिति की ओर से गंगा आरती का आयोजन किया गया। इस दौरान घाट की सफाई कर स्वच्छता का संकल्प लिया गया और श्रद्धालुओं ने दीपदान किया। समिति के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरण सिंघल के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में महर्षि विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार त्रिपाठी और भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य राम प्रताप सिंह गौतम ने गंगा को स्वच्छ एवं निर्मल बनाए रखने की अपील की। अंत में डीपीओ ज्ञान तिवारी ने गंगा भक्तों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस मौके पर रामस्वरूप गुप्ता, रविंद्र सिंह, लक्ष्मी सिंह, माही तिवारी, नीतू गुप्ता, पंकज कुमार, राघवेंद्र, अनुज, वीरेंद्र साहू, सुरेंद्र पाठक सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

चंद्रशेखर सिंह कालेज आफ फार्मेसी में फ्रेशर पार्टी, याशीन और गरिमा बने मिस्टर व मिस फ्रेशर

डीफार्म प्रथम वर्ष में अंजनी और तनिषा ने भी मारी बाजी, रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

प्रातः काल एक्सप्रेस
कौशाम्बी। कोइलहा स्थित चंद्रशेखर सिंह कालेज आफ फार्मेसी में शनिवार को फ्रेशर पार्टी 2026 का आयोजन उत्साह और उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। गीत-संगीत और अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों ने समारोह को यादगार बना दिया। इस दौरान विद्यार्थियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि चंद्रशेखर सिंह आयुर्वेद संस्थान के प्राचार्य प्रो. विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कालेज में प्रवेश के साथ ही विद्यार्थियों के जीवन का एक नया अध्याय शुरू होता है। इस दौरान उन्हें शिक्षा के साथ अनुशासन, संस्कार और



सकारात्मक सोच को भी अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। समारोह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों की प्रतिभा और आत्मविश्वास को परखा गया। इसमें बीफार्म प्रथम वर्ष के याशीन को मिस्टर फ्रेशर और गरिमा को मिस फ्रेशर चुना गया। वहीं, डीफार्म प्रथम वर्ष में अंजनी ने मिस्टर फ्रेशर और तनिषा ने

मिस फ्रेशर का खिताब अपने नाम किया। खिताब हासिल करने वाले विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी नजर आई। साथी विद्यार्थियों ने तालियों के साथ उनका उत्साह बढ़ाया। संस्थान के निदेशक प्रो. डा. एसएन सिंह और प्राचार्य प्रो. एसके गुप्ता ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन विद्यार्थियों को एक-दूसरे से परिचित होने और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देते हैं। पढ़ाई के साथ

एस आई आर रह करो, ज्ञानेश कुमार को बरखास्त करो के नारों के साथ सकिपा ने सीजेपी के समर्थन में किया प्रदर्शन

प्रातः काल एक्सप्रेस
कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी ने 10 अक्टूबर शनिवार को जनपद के सिराथू ब्लॉक के उदहिन बुजुर्ग चौराहा पर सीजेपी के समर्थन में केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा एस आई आर के जरिए वोटर लिस्ट में किए गए संशोधन के विरोध में और केंद्रीय चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार के बरखास्त किए जाने की मांग को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जुटे पार्टी कार्यकर्ता एस आई आर रह करो... ज्ञानेश कुमार को बरखास्त करो... के नारे लगाए और केंद्र सरकार पर वोट चोरी का आरोप लगाया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय सोनी ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग भाजपा और केंद्र सरकार के इशारे पर मतदाताओं के मौलिक अधिकारों के साथ हनन करने और एक पार्टी को राजनीतिक फायदा पहुंचाने की मंशा से वोटर लिस्ट में एस आई आर के जरिए जबरन संशोधन कर रहा है। जिसे किसी में दशा में देश बर्दाश्त नहीं करेगा। आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 साल के सत्ता में बने



रहना गुजरात और देश की जनता के साथ धोका है। मोदी ने सत्ता सुख के लिए देश के साथ छल, कपट, बेइमानी, मानवाधिकार और लोकतंत्र की हत्या की।

आगे कहा कि प्रधानमंत्री

उनके द्वारा किए गए तमाम ज्ञात अज्ञात पापों, कुकर्मों और मानवाधिकार एवं लोकतंत्र की हत्या के प्रायश्चित के लिए काशी आकार गंगा स्नान कर भगवान महादेव और गंगा मैया से क्षमा याचना और प्रायश्चित करनी चाहिए। साथ ही देश के 140 करोड़ लोगों से हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए। इस अवसर पर महेश तिवारी, दिनेश मोर्य, भैरव प्रसाद सरोज, कल्लू पटेल, ननका पटेल, जुम्मन अली आदि मौजूद रहे।

पहाड़पुर में धान के खेत में निकला विशाल अजगर

प्रातः काल एक्सप्रेस
फतेहपुर। किशुनपुर थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में धान के खेत में विशाल अजगर दिखाई देने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों के मुताबिक, अजगर ने नीलगाय के एक बच्चे को निगल लिया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और अजगर को सुरक्षित पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। वन विभाग ने ग्रामीणों से घटनास्थल से दूरी बनाए रखने और अजगर को खुद पकड़ने का प्रयास न करने की अपील की है।



नगर पंचायत अजुहा के हनुमान मंदिर परिसर में रामलीला कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विचार विमर्श व सुझाव के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान रामलीला कमेटी के लोगो ने बताया कि अजुहा में 30 और 31 अक्टूबर को लगने वाले मेले के लिए इस बार कट बंद होने के कारण व्यापारियों ने ही मेले का विरोध किया है। व्यापार मंडल का कहना है कि कट बंद होने से पूरा व्यापार चौपट हो गया है। ग्राहक यदि थोड़ी देर के लिए भी बाइक खड़ी कर सामान लेता है तो स्थानीय पुलिस द्वारा चालान काट दिया जाता है, जिसके डर से ग्राहक अजुहा बाजार आने से कतराते हैं और दूसरे बाजारों से खरीददारी कर लेते हैं। इसी कारण व्यापारियों की सहमति से मेला न कराने का फैसला लिया गया है। बैठक में पिछले वर्ष की रामलीला के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष प्रतिनिधि ओम प्रकाश कुशवाहा, सौरभ केसरवानी, रमेश प्रसाद केसरवानी, रामबाबू मोदनवाल, देवेश कुमार चौधरी, शत्रुघ्न गुप्ता, अरविंद केसरवानी, आशीष मोदनवाल, बृजेंद्र कुमार अग्रहरि, संजय केसरवानी, जयदेव केसरवानी, विपिन मोदनवाल सहित अन्य व्यापारी व कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा का भाजपा पर हमला, बोलीं- 2027 में दिखेगा विरोध का असर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा ने विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने जंतर-मंतर पर ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के विरोध प्रदर्शन, राहुल गांधी के ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम और इंडी गठबंधन के राष्ट्रपति से मुलाकात को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। आराधना मिश्रा ने शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन को लोकतांत्रिक अधिकार बताते हुए आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को रोकना लोकतंत्र के खिलाफ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के भीतर भी असंतोष है और इसका असर 2027 के विधानसभा चुनाव में दिखाई देगा। जंतर-मंतर पर ‘कॉकरोच जनता पार्टी’ के विरोध 1 प्रदर्शन को लेकर आराधना मिश्रा ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा कि संविधान हर राजनीतिक दल और संगठन को शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने का अधिकार देता है। राजनीतिक दलों और संगठनों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी राय रखें और सरकार को उसकी गलत नीतियों के लिए जवाबदेह ठहराएं। उन्होंने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन करने वालों को रोका जा रहा है। आराधना मिश्रा ने कहा कि ट्रेनें रूक की जा रही हैं, टोल पर गाड़ियां रोकी जा रही हैं और लोगों को हिरासत में लिया जा रहा है। उनके मुताबिक, शांतिपूर्ण विरोध को रोकना लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है। राहुल गांधी के चेन्नई में आयोजित ‘छात्रों की गुंज’ कार्यक्रम पर आराधना मिश्रा ने कहा कि यह कार्यक्रम पहले से निर्धारित है। इसमें कांग्रेस

के सभी वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। उन्होंने इस कार्यक्रम को प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि



लेकर पार्टी की तैयारियों और नेताओं की भागीदारी की जानकारी दी। इंडी गठबंधन के प्रतिनिधिमंडल की राष्ट्रपति से मुलाकात पर आराधना मिश्रा ने मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और अन्य सांसदों ने बातचीत को सकारात्मक बताया है। आराधना मिश्रा ने भरोसा

जताया कि इस मुलाकात का लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लगातार इस मांग को उठाती रही है। उन्होंने ईवीएम और एसआईआर का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि इनके कारण बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां हो रही हैं। भाजपा सांसद साक्षी महाराज की ओर से लोधी समुदाय को दरकिनार किए जाने का मुद्दा उठाए जाने पर भी आराधना मिश्रा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक और सांसद अपनी ही पार्टी की नीतियों के खिलाफ हैं। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा के भीतर असंतोष का असर 2027 के विधानसभा चुनाव में दिखाई देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और एनडीए में भगदड़ की स्थिति है और भाजपा अपनी पार्टी तथा देश में लोकतंत्र नहीं चाहती है।

68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों ने घेरा कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद का आवास

लखनऊ (संवाददाता)। 68,500 सहायक अध्यापक भर्ती-2018 में आरक्षण विसंगति के समाधान, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का अनुपालन तथा पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने की



मांग को लेकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों ने आज सुबह 11 बजे ‘दस्तक दो अभियान’ के तहत कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। अभ्यर्थी पिछले 40 दिनों से लखनऊ स्थित ईको गार्डन धरना स्थल पर अपनी मांगों को लेकर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभ्यर्थी तूफान सिंह ने बताया कि 68,500 शिक्षक भर्ती में आरक्षण संबंधी विसंगति के प्रकरण पर माननीय राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा आदेश जारी किया गया है। अभ्यर्थियों की मांग है कि आयोग के आदेश के अनुरूप अन्य पिछड़ा वर्ग (वर्ग) के अभ्यर्थियों को आरक्षित श्रेणी का लाभ देते हुए परिणाम संशोधित किया जाए और पात्र अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की जाए। इसके साथ ही आरक्षण विसंगति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता सहयोगी अभ्यर्थी आशुतोष वर्मा का कहना है कि आदेश जारी होने के बावजूद अब तक उनकी

मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। तूफान सिंह ने कहा कि न्याय की मांग को लेकर अभ्यर्थी लगातार जनप्रतिनिधियों, मंत्रियों और संबंधित अधिकारियों से मिलकर अपनी बात रख रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद अभ्यर्थियों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने कहा कि वह इस प्रकरण पर माननीय मुख्यमंत्री जी से वार्ता करेंगे तथा एक संयुक्त बैठक कराने का प्रयास करेंगे, जिसमें अभ्यर्थियों, संबंधित अधिकारियों और विभागीय मंत्री को शामिल किया जाए, ताकि मामले पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। डॉ. संजय निषाद ने आरक्षण को संवैधानिक अधिकार बताते हुए कहा कि आरक्षण किसी की भीख नहीं, बल्कि अधिकार है। उन्होंने अभ्यर्थियों की पीड़ा के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए कहा कि आरक्षण व्यवस्था को सही तरीके से लागू किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि अभ्यर्थियों के साथ हो रहे अन्याय का समाधान होना चाहिए और वह इस विषय को मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। वार्ता के बाद मंत्री ने अभ्यर्थियों को कोल्ड ड्रिंक भी पिलाई। इसके पश्चात पुलिस प्रशासन ने प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों को बसों में बैठाकर वापस ईको गार्डन धरना स्थल भेज दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे लंबे समय से शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को सरकार के समक्ष रख रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। धरना प्रभारी नवीन चौधरी ने स्पष्ट किया कि उनकी प्रमुख मांग राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के आदेश का अनुपालन, भर्ती परिणाम में आवश्यक संशोधन, पात्र अभ्यर्थियों की नियुक्ति और जिम्मेदार अधिकारियों पर नियमानुसार कार्रवाई है। उन्होंने कहा कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिल जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थी तूफान सिंह, आशुतोष वर्मा, नवीन चौधरी, अखिल कुमार, रंजना जायसवाल, राकेश साहनी, मनीष पटवा, सच्चिदानंद, आरती वर्मा सहित अन्य अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, डिंपल यादव ने किया नमन

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, देश के पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। भाजपा, कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर उनके राजनीतिक योगदान और जनसेवा को याद किया। सपा सांसद और मुलायम सिंह यादव की बहू डिंपल यादव ने भी उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर पोस्ट कर मुलायम सिंह यादव को उनकी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, देश के पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पर लिखा, समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी ने मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि देते हुए उनके जनहित से जुड़े योगदान को याद किया। उन्होंने लिखा कि जनहित के लिए उनका योगदान सदैव वंदनीय रहेगा। प्रदेश सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद ने भी पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। वहीं, कैबिनेट मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने उन्हें शत-शत नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। पार्टी ने उन्हें अपना संस्थापक, भारत का पूर्व रक्षा मंत्री और उत्तर प्रदेश का पूर्व मुख्यमंत्री बताते हुए सादर नमन किया। सपा ने पोस्ट के अंत में लिखा, नेताजी अमर रहें। सपा सांसद और मुलायम सिंह यादव की बहू डिंपल यादव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने अपने संदेश में नेताजी को धरतीपुत्र बताते हुए उनकी चौथी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य और महिला स्वास्थ्य के मुद्दों पर संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ (संवाददाता)। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 10 अक्टूबर को नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ के मनोविज्ञान विभाग के अभिव्यक्ति क्लब ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में ‘मानसिक स्वास्थ्य एवं महिला स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे’ विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य तथा यौन एवं प्रजनन

सुजाता देव, प्रोफेसर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू), लखनऊ ने ‘माइंड मेटसरू महिलाओं में यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य’ विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. सुजाता देव ने बताया कि अस्वस्थ जीवनशैली मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं तथा मोटापे के प्रमुख कारणों में से एक है। उन्होंने विशेष रूप से रेखांकित किया कि मोटापा महिलाओं में शारीरिक

स्वास्थ्य के साथ-साथ प्रजनन स्वास्थ्य से जुड़ी कई जटिलताओं को भी जन्म दे सकता है। उन्होंने मोटापे से बचाव तथा शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और सक्रिय जीवनशैली अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी रिश्ते में स्वस्थ सीमाओं, पारस्परिक सम्मान और प्रभावी संवाद का होना अत्यंत आवश्यक है।

संक्षिप्त

यूपी में 80 लाख से अधिक किसानों से 519 लाख मीट्रिक टन

धान की खरीद, 1.03 लाख करोड़ से ज्यादा का भुगतान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वर्ष 2017 से मार्च 2026 के बीच प्रदेश में 80 लाख से अधिक किसानों से 519 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान की खरीद की गई और इसके एवज में किसानों को 1,03,833 करोड़ रुपये से अधिक का सीधा भुगतान किया गया। उन्होंने कहा कि किसानों की उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए इस बार धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में भी 71 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों को बीज से लेकर बाजार तक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसान कर्ज, बदहाली और बिचौलियों की समस्याओं से जूझते थे, जबकि अब उन्हें उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाओं और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से एमएसपी तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिल रहा है। योगी ने कहा कि प्रदेश में दशकों से लंबित सिंचाई परियोजनाओं को पूरा किया गया है। उत्तर प्रदेश देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में लगभग 21 प्रतिशत योगदान कर रहा है। उनके अनुसार, प्रदेश की कृषि विकास दर आठ प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। दुग्ध, गन्ना और गेहूँ के उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की ताकत और समृद्धि का आधार हैं। सरकार किसानों की मेहनत का सम्मान करने, उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने और कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों की रक्षा और उनकी खुशहाली प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई, उन्नत बीज, सरकारी खरीद और सीधे भुगतान की व्यवस्था के जरिए किसानों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन पूर्वजों के लिए किया तर्पण और पिंडदान

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में श्राद्ध पक्ष के अंतिम दिन शनिवार को गोमती नदी के झूलेलाल घाट पर पितृ विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। लोगों ने अपने पूर्वजों के निमित्त तर्पण और पिंडदान किया। परिवार की सुख-शांति और पितरों के आशीर्वाद की कामना की। घाट पर सुबह से ही श्राद्ध करने वाले की आवाजाही रही। बाबूगंज निवासी गंगा राम ने बताया कि उन्होंने अपने माता-पिता, चाचा और अन्य परिजनों के निमित्त पितृ कर्म किया। उन्होंने कहा कि पूर्वजों का आशीर्वाद पूरे परिवार पर बना रहे, यही उनकी प्रार्थना है। वहीं, लखनऊ निवासी पंकज संतोषी पिछले करीब 20 साल से झूलेलाल घाट पर पितृ विसर्जन करने आ रहे हैं। उन्होंने अपने बाबा और दादा के निमित्त श्राद्ध कर्म किया। पंकज संतोषी ने कहा कि सनातन धर्म में पूर्वजों के प्रति सम्मान और उनके निमित्त कर्म करने की परंपरा है। इसे आगे भी निभाना चाहिए। संस्कृत वशिष्ठ आश्रम के व्याकरणाचार्य प्रकाश कुमार तिवारी ने बताया कि आश्विन कृष्ण पक्ष पितरों को समर्पित होता है। पितृपक्ष के अंतिम दिन लोग अपने पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। इसके बाद आश्विन शुक्ल पक्ष की शुरुआत होती है। उन्होंने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार मनुष्य पर पितृ ऋण, देव ऋण और ऋषि ऋण होते हैं। पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करना पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम है। अनिल कुमार शास्त्री के अनुसार, पिंडदान में जौ के आटे, खोये या खीर से पिंड बनाए जाते हैं। गाय का दूध, दही, घी, शहद और चीनी से पंचामृत तैयार किया जाता है। धार्मिक विधान के अनुसार पिंडों को पंचामृत से स्नान कराकर पितरों के निमित्त पूजा और तर्पण किया जाता है। श्रद्धालु मानते हैं कि इन कर्मों से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है।

भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस कार्यालय घेरा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार को भाजपा महिला मोर्चा ने कांग्रेस मुख्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के लिए महिला कार्यकर्ता हजरतगंज स्थित वीवीआईपी गेस्ट हाउस पर एकत्र हुईं। यहां से नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यालय पहुंचीं। महिला कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के खिलाफ नारे लगाए और महिलाओं के सम्मान का मुद्दा उठाया। भाजपा ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर गलत दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया। कांग्रेस कार्यालय के बाहर महिलाओं ने जमीन पर बैठकर तालियां बजाईं और नारेबाजी की। कुछ महिलाएं बैरिकेडिंग पर चढ़ गईं। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय के बाहर लगे पोस्टर भी फाड़े। भाजपा लखनऊ महानगर के अध्यक्ष आनंद द्विवेदी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में महिला पार्षदों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। भाजपा का आरोप है कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी एसआईआर के मुद्दे पर जनता को गुमराह कर रहे हैं। इसी के विरोध में पार्टी ने प्रदर्शन किया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर कांग्रेस का रवैया दोहरा है। महिला मोर्चा महिलाओं के स्वाभिमान और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चुप नहीं बैठेगा। सरोज कुशवाहा ने कांग्रेस के एक सांसद पर महिलाओं और लड़कियों से जुड़े मामलों में बचाव करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न से जुड़े मामलों में गंभीरता से कार्रवाई होनी चाहिए और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान किया जाना चाहिए।

कंगना रनोट लखनऊ पहुंचीं, रामलला के दर्शन करने जाएंगी अयोध्या

लखनऊ (संवाददाता)। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनोट लखनऊ में हैं। वह शनिवार सुबह 8 बजे एयरपोर्ट पहुंचीं। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा मैं अयोध्या जा रही हूं। रामलला के दर्शन करूंगी। इसके अलावा, कुछ निजी काम भी हैं। उन्होंने कहा यूपी आकर मुझे अच्छा लगता है। यहां विकास के काम देखने की मिलते हैं। कंगना ने काला चश्मा लगा रखा था। उन्होंने शॉर्ट सलवार पहन रखी थी। इससे पहले, कंगना 2024 में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान अयोध्या पहुंची थीं। उन्होंने हनुमानगढ़ी मंदिर में झाड़ू लगाकर सफाई की थी।

नेताजी की चौथी पुण्यतिथि पर अखिलेश यादव ने परिवार संग समाधि पर अर्पित की पुष्पांजलि

शिवपाल सिंह यादव, डिंपल यादव समेत परिवार के सदस्य रहे मौजूद, श्रद्धांजलि देने उमड़े सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता



प्रातः काल एक्सप्रेस
सैफई। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर शनिवार को सैफई में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दोपहर करीब एक बजे अपने स्वजन के साथ नेताजी की समाधि पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सपा के राष्ट्रीय

महासचिव शिवपाल सिंह यादव, सांसद डिंपल यादव समेत परिवार के कई सदस्य मौजूद रहे। नेताजी को श्रद्धांजलि देने के लिए बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, सांसद, विधायक और कार्यकर्ता समाधि स्थल पर पहुंचे।सैफई तहसील के सामने स्थित मुलायम सिंह यादव के निर्माणाधीन मेमोरियल परिसर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम के लिए विशेष तैयारियां की गई थीं। पूरे परिसर को समाजवादी पार्टी के रंग में सजाया



गया था। जगह-जगह पार्टी के झंडे लगाए गए थे, जबकि परिसर में 'सोशलिस्ट म्यूजियम' लिखा बैनर भी लगाया गया था। सुबह से ही पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। नेताजी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर लोगों ने उनके राजनीतिक योगदान और समाजवादी विचारधारा को याद किया।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शिवपाल सिंह

यादव, सांसद डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, आदित्य यादव, अक्षय यादव, पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव और जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य तथा पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि, सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। दिल्ली में व्यस्तता के चलते वह सैफई नहीं पहुंचे।गौरतलब है

कि मुलायम सिंह यादव का 10 अक्टूबर 2022 को गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया था। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव सैफई में किया गया था। नेताजी की पुण्यतिथि पर प्रतिवर्ष समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में पार्टी नेता, कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचकर उन्हें नमन करते हैं।

इटावा फाउंडेशन के आठवें सम्मान समारोह में चमकीं जनपद की विशिष्ट प्रतिभाएं डॉ. विश्वपति त्रिवेदी बोले-प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना ही फाउंडेशन का प्रमुख उद्देश्य

प्रातः काल एक्सप्रेस
इटावा इटावा फाउंडेशन की ओर से आयोजित आठवें सम्मान समारोह में जनपद की विभिन्न प्रतिभाओं एवं विशिष्ट व्यक्तित्वों को उनके-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। साहित्य, कृषि, खेल, पर्यावरण संरक्षण, प्रशासन, विधि सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मान प्रदान कर उनके योगदान की सराहना की गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता भारत सरकार के पूर्व सचिव एवं इटावा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. विश्वपति त्रिवेदी ने की। कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी मुख्य अतिथि तथा इटावा सदर विधायक सरिता



भदौरिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। अतिथियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित वासर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ. विश्वपति त्रिवेदी ने कहा कि इटावा प्रतिभाओं की धरती है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अनेक प्रतिभाशाली व्यक्ति हैं, जिन्हें उचित मंच, पहचान और

प्रोत्साहन प्रदान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का प्रमुख उद्देश्य समाज में सकारात्मक योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित करना है, ताकि उनके कार्यों से दूसरे लोग भी प्रेरणा लेकर समाज के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान केवल उनकी उपलब्धियों का अभिनंदन नहीं, बल्कि समाज में उत्कृष्टता, प्रश्रम, समर्पण और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने का माध्यम भी है। ऐसे आयोजन जनपद की गौरवशाली पहचान को मजबूत करने के साथ नई पीढ़ी को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देते हैं।विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए

खेत में फसल की रखवाली करने गए युवक की करंट लगने से मौत

प्रातः काल एक्सप्रेस
औरैया। अयाना थाना क्षेत्र के सेंगनपुर गांव में खेत पर फसल की रखवाली करने गए 30 वर्षीय युवक की झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। खेत में युवक का शव पड़ा मिलने से परिजनों में चीख-पुकार मच गई। इकलौते बेटे की मौत से पिता और परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सेंगनपुर गांव निवासी राजू दुबे का पुत्र लल्लू रोजाना की तरह फसल की रखवाली करने खेत पर गया था। देर रात तक उसके घर नहीं लौटने पर परिजन सामान्य रहे, लेकिन सुबह काफी देर तक उसके वापस न आने पर उन्हें चिंता हुई। इसके बाद परिजन उसकी तलाश में खेत पर पहुंचे। वहां लल्लू का शव पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए। बताया जा रहा है कि खेत में फसल की सुरक्षा के लिए लगाई गई झटका मशीन के करंट की चपेट में आने से युवक की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। परिवार में मातम छा गया और परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन हो गया। लल्लू अपने पिता का इकलौता बेटा था। उसकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

भूमि बंटवारे के विवाद में तमंचा लगाकर मारपीट का आरोप, मुकदमा दर्ज पुलिस कर रही मामले की जांच

प्रातः काल एक्सप्रेस
औरैया। अछल्दा थाना क्षेत्र के सलेमपुर गांव में भूमि बंटवारे को लेकर दो भाइयों के बीच चल रहा विवाद मारपीट तक पहुंच गया। पीड़ित रामशंकर पुत्र मेवाराम ने अपने भाई समेत तीन लोगों पर तमंचा लगाकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित के अनुसार, भाई शिवशंकर उर्फ छोटे पंडित से जमीन के बंटवारे का विवाद चल रहा है। आठ अक्टूबर को तहसील बिथूना के आरआई को जमीन की नपती करनी थी। आरोप है कि इससे पहले सात अक्टूबर को जबरन खेत की जुताई करा दी गई थी। पीड़ित का आरोप है कि इसी विवाद में शिवशंकर ने प्रदीप सक्सेना और अमीश दीक्षित को बुलाया। रात करीब नौ बजे अमीश ने सीने पर तमंचा लगाकर मारपीट की। पीड़ित ने 112 पर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

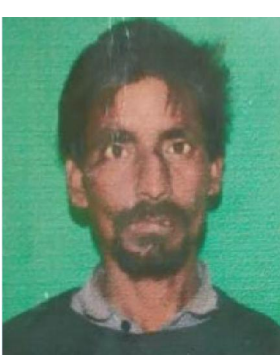
कई दशकों से लगने वाला अजुहा के ऐतिहासिक रामलीला मेला में लगा ग्रहण

प्रातः काल एक्सप्रेस
कौशाम्बी। नगर पंचायत अजुहा में कई दशकों से लगने वाले ऐतिहासिक रामलीला और दशहरा मेला में ग्रहण लगता नजर आ रहा है। रामलीला व दशहरा मेला को लेकर नगर पंचायत अजुहा के हनुमान मंदिर परिसर में रामलीला कमेटी की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विचार विमर्श व सुझाव के बाद सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया। बैठक के दौरान रामलीला कमेटी के लोगो ने बताया कि अजुहा में 30 और 31 अक्टूबर को लगने वाले मेले के लिए इस बार कट बंद होने के कारण व्यापारियों ने ही मेले का विरोध किया है। व्यापार मंडल का कहना है कि कट बंद होने से पूरा व्यापार चौपट हो गया है। ग्राहक यदि थोड़ी देर के लिए भी बाइक खड़ी कर सामान लेता है तो स्थानीय पुलिस द्वारा चालान काट दिया जाता है, जिसके डर से ग्राहक अजुहा बाजार आने से कतराते हैं और दूसरे बाजारों से खरीददारी कर लेते हैं। इसी कारण व्यापारियों की सहमति से मेला न कराने का फैसला लिया गया है। बैठक में पिछले वर्ष की रामलीला के आय-व्यय का लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया गया। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष प्रतिनिधि ओम प्रकाश कुशवाहा, सौरभ केसरवानी, रमेश प्रसाद केसरवानी, रामबाबू मोदनवाल, देवेश कुमार चौधरी, शत्रुघ्न गुप्ता , अरविंद केसरवानी , आशीष मोदनवाल , बुजेंद्र कुमार अग्रहरि , संजय केसरवानी , जयदेव केसरवानी ,विपिन मोदनवाल सहित अन्य व्यापारी व कमेटी के सदस्य मौजूद रहे।

घर से निकला मजदूर का नदी में मिला शव, दो दिन से था लापता

नदी में डूबने से मौत की आशंका, पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव

प्रातः काल एक्सप्रेस
औरैया। फफूँद थाना क्षेत्र के गांव जुआ निवासी 30 वर्षीय मजदूर का शव शुक्रवार को गांव के पश्चिम की ओर सेंगर नदी में मिला। वह गुरुवार सुबह बिना बताए घर से निकल गया था। घर वापस नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। शुक्रवार सुबह नदी किनारे शव पड़े होने की सूचना एक ग्रामीण ने दी। इसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव जुआ निवासी प्रेमानन्द पुत्र शंकरलाल गुरुवार सुबह घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। शुक्रवार सुबह गांव के पश्चिम की ओर सेंगर नदी में गांव से आने वाले नाले के नदी में मिलने वाले स्थान पर प्रेमानन्द का शव मुंह के बल पड़ा मिला। उसका मुंह पानी में डूबा हुआ था। नदी किनारे शव पड़े होने की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। एक ग्रामीण की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और शव को पहचान प्रेमानन्द के रूप में की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी



गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ग्रामीणों को आशंका है कि प्रेमानन्द मछली पकड़ने के लिए नदी किनारे गया होगा। इसी दौरान वह नदी में गिर गया होगा,जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता शंकर लाल ने भी बताया कि प्रेमानन्द उनसे बिना बताए घर से निकला था। उन्होंने भी आशंका जताई कि हो सकता है वह नदी किनारे मछली पकड़ने गया हो। हालांकि नदी में गिरने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। मजदूरी करके अपने परिवार का गुजारा करता था। उसकी मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। मृतक पांच भाइयों और एक बहन में से एक था। मां गंगाश्री का रो रोकर बहोश हो रही थी। प्रेमानन्द अविवाहित था और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर बताई गई है।परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि मृत्यु का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

लक्ष्मण परशुराम के मध्य संवाद सुन रोमांचित हो गए श्रोता इस मंचीय लीला के बाद अब शुरू होंगी मैदानी लीलाएं

प्रातः काल एक्सप्रेस
जसवंतनगर। शुक्रवार रात यहां रामलीला मैदान में धनुष भंग एवं परशुराम लक्ष्मण संवाद की मंचीय लीला का प्रदर्शन किया गया।इसी के साथ ही यहां के ऐतिहासिक रामलीला महोत्सव में राम की लीलाओं का प्रदर्शन आरंभ हो गया।धनुष भंग की इस लीला में रावण, बाणासुर संवाद, राजा जनक के विलाप का प्रदर्शन देख जुटी भीड़ भाव विह्वल हो गई। वैसे तो यहां की रामलीला में सारे पात्र स्थानीय लोग ही बनते हैं,मगर हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी धनुष भंग की इस लीला के लिए रावण, परशुराम, जनक, लक्ष्मण, राम आदि पात्र कानपुर, दिबियापुर ,झींझक, इटावा आदि जगहों से बुलाकर लीला को भव्य बनाने का प्रयास किया गया था।रात करीब दो बजे सीता स्वयंवर में जब भगवान राम ने शिव धनुष को तोड़ा तो हर तरफ राजा राम और सीता मैया की जय जय कार गूंजने लगी, मगर तभी क्रोध से लाल ताव ऋषि परशुराम मंच पर आ धमके तो सन्नाटा छा गया।उसके बाद शिव धनुष तोड़े जाने को लेकर लक्ष्मण और परशुराम के मध्य कई घंटे तक संवाद चला जिसे सुनकर लोग रोमांचित हो गये।लीला शुरू होने से पूर्व राम दरबार की आरती रामलीला समिति के अध्यक्ष हीरालाल गुप्ता ,प्रबंधक राजीव गुप्ता बबलू ,उप प्रबंधक अजेंद्र सिंह गौर , रतन पांडे, निखिल गुप्ता आदि ने की।



रोटरी अरिहंत ने दिव्य ज्योति निकेतन में चलाया ‘प्रोजेक्ट पोषण’ अभियान

प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद अरिहंत द्वारा दिव्य ज्योति निकेतन (दृष्टिबाधित बालिकाओं के आवासीय गृह) में ‘प्रोजेक्ट पोषण - हमारी बेटियाँ, हमारी जिम्मेदारी’ के तहत सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बालिकाओं को आटा, दाल, चावल, देसी घी, रिफाईंड तेल, सरसों का तेल, नमक, सुजी, चीनी, बिस्कुट, चिप्स, चॉकलेट आदि खाद्य सामग्री वितरित की गई। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं की पोषण संबंधी जरूरतों में सहयोग देना और उनके जीवन में स्नेह व खुशियाँ बाँटना था। क्लब के संस्थापक एवं



सलाहकार रोटेरियन शशांक जैन के मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया गया। चार्टर अध्यक्ष रो. डॉ. कीर्ति अग्रवाल ने कहा कि बेटियाँ समाज का गौरव हैं और उनकी देखभाल हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। बालिकाओं के चेहरे पर मुस्कान लाना ही

इस पहल की सार्थकता है। चार्टर सचिव रोटेरियन प्रीति जैन ने कहा कि जरूरतमंद बालिकाओं की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। प्रोजेक्ट चेयरमैन रोटेरियन मयंक अग्रवाल ने कहा कि प्रोजेक्ट पोषण के माध्यम से बालिकाओं

की आवश्यकताओं को पूरा करना एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में रो. निधि अग्रवाल, रो. कन्हैया अग्रवाल, रो. तुषार गुप्ता, रो. शिखा अग्रवाल, रो. संध्या अग्रवाल, रो. अंकित अग्रवाल, सिस्टर ज्योतिका सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

की आवश्यकताओं को पूरा करना एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में रो. निधि अग्रवाल, रो. कन्हैया अग्रवाल, रो. तुषार गुप्ता, रो. शिखा अग्रवाल, रो. संध्या अग्रवाल, रो. अंकित अग्रवाल, सिस्टर ज्योतिका सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।



उपचार के दौरान युवक ने दम तोड़ दिया। युवक की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। वह पिता की मौत के बाद परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा था। मोहन कुमार किराना की दुकान चलाता था उसके परिवार में बड़ा भाई कन्हैया और छोटा भाई मनीष कुमार हैं। ऐसे में परिवार के युवा सदस्य की असमय मौत ने परिजनों को गहरे सदमे में डाल दिया है। बेटे की मौत से मां सुधा देवी बदहवास हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने नौसारा स्थित पेट्रोल पंप पर टैंकर का पता लगाया था। आरोप है कि पेट्रोल पंप पर डीजल खाली करने के बाद चालक वहां से भी निकल गया। हालांकि, चालक की गिरफ्तारी और मामले में पुलिस की कार्रवाई के संबंध में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है।

औरैया के युवक की दिल्ली में सड़क हादसे में मौत, गांव में कोहराम

प्रातः काल एक्सप्रेस
औरैया। अजीतमल क्षेत्र के ग्राम पहलादपुर निवासी 24 वर्षीय अनुज कुमार की दिल्ली में सड़क हादसे में मौत हो गई। शुक्रवार शाम शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। बताया गया कि अनुज कुमार दिल्ली में फिल्म शूटिंग में कैमरा मैन का काम करता था। करीब आठ दिन पहले शूटिंग के दौरान वह सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शुक्रवार शाम पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो चीख-पुकार मच गई। गमगीन माहौल में उसी दिन अंतिम संस्कार कर दिया गया। युवक की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। मृतक विनोद कुमार का पुत्र था। परिवार को उम्मीद थी कि वह स्वस्थ होकर लौटेगा, लेकिन इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने शोकाकुल परिवार को ढांडस बंधाया।

निर्दलीय एमएलसी प्रत्याशी शिवशंकर पटेल ने जनसंपर्क कर चुनावी रणनीति पर किया मंथन कर्मचारियों और अधिकारियों की पेंशन बहाल नहीं होती तो सभी की पेंशन बंद होनी चाहिए : शिवशंकर पटेल

राष्ट्रीय सर्व हित पार्टी ने दिया समर्थन, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय महासचिव ने की घोषणा

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी। इलाहाबाद-झाँसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय एमएलसी प्रत्याशी शिवशंकर पटेल ने अपने जनसंपर्क अभियान के तहत झाँसी में भ्रमण कर लोगों से संपर्क किया। इस दौरान उन्होंने स्नातक मतदाताओं, कर्मचारियों और विभिन्न वर्गों के लोगों से संवाद करते हुए चुनाव में उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कर्मचारियों और अधिकारियों की पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा उठाते हुए इसे समानता और सामाजिक न्याय से जुड़ा विषय बताया। शिवशंकर पटेल ने कहा कि पेंशन कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। यदि कर्मचारियों और अधिकारियों की पुरानी पेंशन नीति बहाल नहीं की जाती है, तो सभी के लिए पेंशन व्यवस्था को लेकर समान नीति होनी चाहिए। उन्होंने पेंशन के मुद्दे पर समानता की मांग उठाते हुए कहा कि कर्मचारियों के हितों की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। उनके अनुसार, पुरानी पेंशन की बहाली चुनाव में प्रमुख मुद्दों में शामिल है।जनसंपर्क के बाद चुनावी रणनीति की रूपरेखा तैयार करने के लिए झाँसी के आतिथ्या तालाब स्थित मानस पुष्प वाटिका विवाह घर में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चुनाव अभियान को व्यवस्थित करने, स्नातक मतदाताओं तक पहुंच बनाने और क्षेत्र के प्रमुख मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। प्रत्याशी के समर्थकों ने चुनाव प्रचार की आगामी गतिविधियों और जनसंपर्क अभियान को आगे बढ़ाने की रणनीति पर चर्चा की।इलाहाबाद-झाँसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के

चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी शिवशंकर पटेल को राष्ट्रीय सर्व हित पार्टी का समर्थन भी मिला है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक लोधी एवं राष्ट्रीय महासचिव राधे सिंह लोधी ने उन्हें समर्थन देने की घोषणा की है। इस संबंध में जानकारी पार्टी के प्रदेश सचिव श्याम सुंदर पटेल ने दी।श्याम सुंदर पटेल ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने स्नातक एमएलसी चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी शिवशंकर पटेल का समर्थन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व के इस निर्णय की जानकारी कार्यकर्ताओं और समर्थकों तक पहुंचाई जा रही है। इस समर्थन के साथ ही चुनाव में पार्टी की भूमिका भी सामने आई है।स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के इस चुनाव में मतदाताओं के बीच संपर्क, कर्मचारियों से जुड़े मुद्दे, पुरानी पेंशन की बहाली तथा क्षेत्रीय समस्याएं प्रमुख विषयों के रूप में उठाई जा रही हैं। शिवशंकर पटेल अपने जनसंपर्क अभियान और बैठकों के माध्यम से इन मुद्दों को मतदाताओं के बीच रखने की तैयारी में जुटे हैं। वहीं, राष्ट्रीय सर्व हित पार्टी के समर्थन की घोषणा को उनके चुनावी अभियान से जुड़ा महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। इस अवसर पर, गुरु दयाल कटियार, आर डी कुशवाहा, रमाकांत वैद्य, अमरनाथ, पंडित राकेश नायक, पंडित दिवेंकल भार्गव,अनूप सिंह परिहार,अनीश खान, अनूप सिंह परिहार, रवि कुशवाहा सुनील यादव बूढा,हर्षित पटेल, दीपक सिंह, देवेंद्र पटेल, देवेंद्र, डॉ विक्रम सिंह, रोहित सोनी, राकेश कुशवाहा बड़ागांव, तरुण, कपिल सहित आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय स्तर पर चमका सेंट थॉमस स्कूल, अंडर-14 में तीसरा स्थान, अंडर-19 में स्वर्ण,अनन्या पांडे ने जीता स्वर्ण किडवई नगर के सेंट थॉमस स्कूल की छात्राओं ने खो-खो में रचा इतिहास



प्रातःकाल एक्सप्रेस
कानपुर, 9 अक्टूबर। कानपुर के किडवई नगर स्थित सेंट थॉमस स्कूल की छात्राओं ने सीआईएससीई नेशनल खो-खो गर्ल्स टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय और उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। 2 से 4 अक्टूबर 2026 तक लिटिल फ्लावर स्कूल, गुरुद (आंध्र प्रदेश) में आयोजित प्रतियोगिता में अंडर-14 वर्ग में उत्तर प्रदेश की टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि अंडर-19 वर्ग में विद्यालय की छात्रा

कोच के मार्गदर्शन में मिली सफलता
छात्राओं की इस उपलब्धि में विद्यालय की कोच प्रिया सचान मैम का कुशल नेतृत्व, निरंतर मार्गदर्शन और प्रेरणादायी प्रशिक्षण महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और उनमें आत्मविश्वास, अनुशासन तथा टीम भावना को मजबूत किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर थॉमस कुमार ने विजेता छात्राओं और कोच को बधाई देते हुए इसे विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि छात्राओं की सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी।सेंट थॉमस स्कूल की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। छात्राओं ने साबित किया कि मेहनत, समर्पण और उचित मार्गदर्शन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता हासिल की जा सकती है।
अनन्या पांडे ने जीता स्वर्ण पदक
अंडर-19 बालिका वर्ग में 11 टीमों के बीच हुए मुकाबलों में सेंट थॉमस स्कूल की कक्षा 9-सी की छात्रा अनन्या पांडे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि को प्रतिभा, निरंतर अभ्यास, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम माना जा रहा है।

का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कात्या गुप्ता के उत्कृष्ट खेल को देखते हुए उनका चयन स्कूल गोम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के लिए भी किया गया है।

शिक्षा प्रेरकों के बकाया मानदेय भुगतान की मांग, 14 अक्टूबर तक का अल्टीमेटम 15 अक्टूबर को मुख्यमंत्री के संभावित झांसी दौरे पर प्रदर्शन कर ज्ञापन देने की चेतावनी

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी। शिक्षा प्रेरकों ने लंबे समय से लंबित बकाया मानदेय का भुगतान कराए जाने की मांग को लेकर शासन-प्रशासन से गृहार लगाई है। इस संबंध में जिलाधिकारी झांसी के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देकर भुगतान की समस्या से अवगत कराने की बात कही गई है।शिक्षा प्रेरकों का कहना है कि भारत सरकार की ओर से बकाया अंशदान राज्य सरकार को प्राप्त हो चुका है। साथ ही, उनके अनुसार उत्तर प्रदेश सरकार की कंबिनेट द्वारा 398.18 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके बावजूद साक्षरता निदेशालय एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय स्तर पर कथित शिथिलता के कारण प्रदेश के अन्य जनपदों की तरह झांसी के शिक्षा प्रेरकों का मानदेय

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी । बबीना विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजीव सिंह पारीछा का जन्मदिन शनिवार को ओमशांति नगर स्थित बबीना विधानसभा कार्यालय में हर्षोल्लास, उमंग एवं उत्सवी वातावरण के बीच धूमधाम से मनाया गया। जन्मदिन समारोह में जनप्रतिनिधियों, भाजपा के जिला एवं मंडल स्तरीय पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्यों तथा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से पहुँचे पार्टी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता कर विधायक को जन्मदिन की शुभकामनाएँ दीं। समारोह के दौरान विधानसभा कार्यालय में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गीत-संगीत और बधाई के स्वरो के बीच उपस्थित लोगों ने विधायक राजीव सिंह पारीछा का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इसके बाद केक काटकर जन्मदिन की खुशियाँ साझा की गईं। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक ‘मोदी-



योगी जिंदाबाद’ के नारे लगाए। पूरे कार्यक्रम में उल्लास, आत्मीयता और संगठनात्मक सहभागिता का वातावरण बना रहा। जन्मदिन समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह एवं गरीठा विधायक जवाहर राजपूत की प्रमुख उपस्थिति रही। इसके साथ ही जिला महामंत्री विनोद नायक, विकास कुशवाहा एवं अरविंद राजपूत, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव श्रीगोस्वामी एवं सुबोध गुबरेले, ब्लॉक प्रमुख चिरगाँव राजकान्तेश वर्मा, बुजेंद्र राजपूत, जिला उपाध्यक्ष अमर सिंह कुशवाहा एवं संजीव

समारोह में चित्रा सिंह, वंदना मिश्रा, शीला सिंह, रूबी राजपूत, कुसुम राय, भगवती देवी, किरन देवी, मालती वर्मा, सुनीता साहू, योगेन्द्र राजपूत, सुरेन्द्र राजपूत, माते पालर, पवन छिरौना, अजय राजपूत, ध्रुव सिमथरी एवं राहुल राजपूत सहित अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बबीना विधानसभा

क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों से ग्राम प्रधानों, बीडीसी सदस्यों, जिला एवं मंडल स्तरीय पदाधिकारियों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं की सहभागिता रही। उपस्थित लोगों ने विधायक राजीव सिंह पारीछा को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुखमय जीवन एवं दीर्घायु होने की कामना की।गीत-संगीत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, माल्यार्पण, केक कटिंग और शुभकामनाओं के बीच आयोजित समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत थर्मल पावर प्लांट परिसर में किया गया श्रमदान

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी। भारत सरकार के सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत परीक्षा थर्मल पावर प्लांट के आवासीय परिसर में श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, सामूहिक सहभागिता और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने श्रमदान में सहभागिता करते हुए अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।कार्यक्रम में महाप्रबंधक राम नरेश श्रीवास्तव के साथ जीएम एस.पी. यादव, जीएम एच.के. गुप्ता, जीएम अनीस कपूर, अधीक्षण अभियंता वैभव त्रिपाठी, दिवाकर शुक्ला, आशीष कुरील, मनोज बागीश, सुजीत कुमार एवं डी.के. सिंह, आनंद शर्मा, योगेंद्र शर्मा, अधिशासी अभियंता प्रभात कुमार उमराव, के.के. वर्मा, ए.के. आर्या तथा अमित सुमन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों ने श्रमदान में भाग लेकर भारत सरकार के सेवा संकल्प अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। कार्यक्रम का उद्देश्य सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना तथा स्वच्छ और बेहतर वातावरण बनाए रखने के लिए लोगों को प्रेरित करना रहा।इस अवसर पर अधिकारियों ने अभियान के संदेश को दैनिक जीवन में अपनाने और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

‘प्रयासः सभी के लिए’ ने विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी। युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सामाजिक संस्था ‘प्रयासः सभी के लिए’ द्वारा संचालित नशामुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत चतुर्थ कार्यक्रम ज्ञान स्थलीय पब्लिक इंटर कॉलेज, बड़ागांव गेट बाहर में आयोजित किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनमोहन गेड़ा के नेतृत्व तथा अध्यक्ष के.डी. गुप्ता की अध्यक्षता में विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रेम प्रकाश ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन और सकारात्मक सोच बेहद जरूरी है। नशा युवाओं के भविष्य और क्षमताओं को प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।मनमोहन गेड़ा ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त जीवन अपनाने तथा अपनी ऊर्जा एवं प्रतिभा का उपयोग समाज और राष्ट्र निर्माण में करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि जागरूक युवा ही स्वस्थ समाज की नींव हैं। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं कनिष्क, यशिका, गुनगुन साहू, मुकुल चौरसिया एवं राघव ने नशामुक्ति विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन नशामुक्ति अभियान के मुख्य संयोजक रवि पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर शिक्षक जय रायकवार, राजा कुशवाहा, रामबाबू शर्मा, बी.पी. नायक, नीरू पाण्डेय, अशोक अग्रवाल (पीएनबी), विष्णु व्यास एवं अंबिका प्रसाद श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। अंत में संस्था के महामंत्री नवीन श्रीवास्तव ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्था ने नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए अभियान को निरंतर जारी रखने का संकल्प दोहराया।

विश्व अंतरिक्ष सप्ताह में विद्यार्थियों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा, स्पेस बायोथॉन का समापन बुटेलखंड विश्वविद्यालय में चार दिवसीय आयोजन, अंतरिक्ष विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित मॉडल किए प्रस्तुत

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी। बुटेलखंड विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में जैव प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से विश्व अंतरिक्ष सप्ताह के अंतर्गत आयोजित चार दिवसीय स्पेस बायो वीक एवं स्पेस बायोथॉन का 10 अक्टूबर को समापन हुआ। सात से दस अक्टूबर तक आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक नवाचार से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम के अंतर्गत स्पेस आर्ट एंड क्राफ्ट, स्पेस क्विज और स्पेस मॉडल प्रदर्शनी जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने अंतरिक्ष में जीवन की संभावनाओं, जैविक प्रणालियों तथा भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में जैव प्रौद्योगिकी की भूमिका को विभिन्न कलात्मक प्रस्तुतियों और मॉडलों के माध्यम से प्रदर्शित किया।

प्रदर्शित किया। स्पेस आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता में सात टीमों ने प्रतिभाग किया। इसमें इशिका साहू ने प्रथम, लैडना ने द्वितीय और खुशी मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं, वर्षा सिंह एवं आकर्षित रंजन की टीम ने भी अपनी प्रस्तुति से प्रतिभा का परिचय दिया। स्पेस क्विज प्रतियोगिता में 11 टीमों ने भाग लिया, जिसमें स्पार्क्सकोडॉन टीम प्रथम, सिल्वरिन टीम द्वितीय और एलियन टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों से अंतरिक्ष, ग्रहों, उपग्रहों और ब्रह्मांड से संबंधित प्रश्न पूछे गए।तीसरे दिन आयोजित स्पेस मॉडल प्रदर्शनी में नौ टीमों ने अपने नवाचारी मॉडल प्रस्तुत किए। इसमें बायोस्पेस टीम ने प्रथम, पंचतत्व टीम ने द्वितीय और मार्टियंस टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। राजत श्रीवास्तव की प्रस्तुति भी सराहनीय रही। विद्यार्थियों ने मॉडलों के माध्यम से अपनी वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और व्यावहारिक ज्ञान का प्रदर्शन किया।

आईईटी के निदेशक प्रो. डीके भट्ट ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वैज्ञानिक सोच, नवाचार और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार की प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन आवश्यक है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी ऐसी गतिविधियाँ आयोजित करने पर जोर दिया। एकेडमिक कोऑर्डिनेटर डॉ. शशिकांत वर्मा ने भी विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में आईईटी के डीन प्रो. एमएम सिंह, प्रो. डीके भट्ट, भौतिक विज्ञान विभाग के डॉ. वीएस भट्टाचार्य तथा सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग की डॉ. रजना भाटी ने निर्णायक एवं मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. बुजेंद्र कश्यप, डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. मुकुल सक्सेना, डॉ. दिनेश द्विवेदी और डॉ. आनंद कुमार पांडेय का आयोजन में विशेष योगदान रहा। इसके अतिरिक्त डॉ. शुभांगी निगम, डॉ. रवि

सहस्त्रबाहु कलचुरी सेवा समिति की द्वितीय वर्ष द्वितीय बैठक हुई संम्पन

प्रातःकाल एक्सप्रेस
झाँसी । सहस्त्रबाहु कलचुरी सेवा समिति की द्वितीय वर्ष की द्वितीय बैठक एक निजी होटल में आहूत की गयी । कार्यक्रम से पूर्व सर्वसम्मति से श्याम सुंदर राय एवं रामप्रताप महाजन को मासिक बैठक के लिए अध्यक्ष चुना गया अध्यक्षों द्वारा सयुक्त रूप से कार्यवाही की स्वीकृति दी ।कार्यक्रम का संचालन करते हुए विशाल



राय द्वारा बैठक का एजेंडा पढ़ कर सुनाया जिस पर उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा दोनों हाथ उठाकर सहमति व्यक्त की । आगामी 18 अक्टूबर को ब्लू बैल पब्लिक स्कूल स्कूल सिविल लाइन में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया जिसमें अनिल राय द्वारा स्वास्थ्य शिविर का प्रस्ताव लाया गया था ।जिसमें गिरजा शंकर राय द्वारा सभी डॉक्टर मेडिसिन की व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी दी प्रचार प्रसार का राजेश शर्मा एवं जगमोहन ओमहरे ने भी दायित्व को सोपा गया ।बैठक में 14 सदस्य कमेटी में जगमोहन ओमहरे ,राम प्रताप महाजन, श्याम सुंदर राय, राहुल राय उन्नाव गेट, राहुल राय उन्नाव गेट, राजेश राय बरुआसागर, राज कुमार राय, वीरेंद्र राय नौनंबर, आशीष राय , राजेश राय शिवाजीनगर , अनिल राय सौपरी बाजार , रामबाबू शिवहरे आदि को कोर कमेटी का दायित्व गिरजा शंकर राय को मीडिया प्रभारी विशाल राय मूनसिटी, बंटी राय को सोशल मीडिया का दायित्व सोपा गया रक्तदान महादान एवं स्वास्थ्य शिविर को एजेंडे मे रखा । समय समय पर कैप लगाकर कार्य को संपादित करने का लक्ष्य पूरा करने की बात रखी। इस अवसर पर चतुर्भुज महाजन विनोद राय , नवीन राय गौरव राय आशीष राय आदि उपस्थित रहे । अंत में उपस्थित से पदाधिकारी का राजकुमार राय ने आभार व्यक्त किया

रामलीला स्थल की सुरक्षा व्यवस्था पर पुलिस की नजर, एसपी सिटी अमृत जैन ने किया निरीक्षण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु आवागमन के लिए दिए निर्देश, संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने के आदेश

प्रातः काल एक्सप्रेस
मुजफ्फरनगर। जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने थाना नई मंडी क्षेत्रांतर्गत रामलीला मंचन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आयोजन स्थल पर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी अमृत जैन ने रामलीला में आने वाले श्रद्धालुओं, दर्शकों और आमजन की सुरक्षा को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोजन स्थल पर भीड़ को देखते हुए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा लोगों के आवागमन को सुचारु बनाए रखा जाए, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। संदिग्ध गतिविधियों पर रहेगी पुलिस की नजर एसपी



सिटी ने आयोजन स्थल और उसके आसपास के क्षेत्रों में पुलिस की सतर्क निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। ? उन्होंने

संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रामलीला आयोजन के दौरान सभी आवश्यक सुरक्षा प्रबंध समय से पूरे किए जाएं। साथ ही स्थानीय आयोजकों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखा जाए, ताकि श्रद्धालुओं और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। पुलिस अधिकारियों के साथ लिया सुरक्षा

व्यवस्था का जायजा निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव, थाना प्रभारी नई मंडी आनंद देव मिश्रा सहित पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने आयोजन को सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुलिस मुठभेड़: टॉप-10 हिस्ट्रीशीटर दिलावर घायल, गौवंश और स्विफ्ट कार बरामद

बुढ़ाना में पुलिस टीम पर फायरिंग के बाद जवाबी कार्रवाई, अवैध तमंचा और गौकशी के उपकरण मिले; दूसरा आरोपी फरार, तलाश में जुटी पुलिस

प्रातःकाल एक्सप्रेस
मुजफ्फरनगर। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुढ़ाना थाना पुलिस की शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को गौकशी के आरोपियों से मुठभेड़ हो गई। पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान हिस्ट्रीशीटर एवं टॉप-10 सक्रिय अपराधी दिलावर गोली लगने से घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मौके से एक गौवंश, अवैध तमंचा, कारतूस, गौकशी के उपकरण और एक स्विफ्ट कार बरामद करने का दावा किया है। वहीं, दूसरा आरोपी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस कांबिग कर रही है।

मुखबिर की सूचना पर जंगल में पहुंची पुलिस
पुलिस के अनुसार, बुढ़ाना थाना पुलिस खतौली तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बसी रोड से चंदेढ़ी रोड की ओर जंगल में दो व्यक्ति एक गौवंश के साथ मौजूद हैं और गौकशी की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि वहां दो व्यक्ति गौवंश को रस्सी से बांध रहे थे। पुलिस को देखकर आरोपियों ने कथित तौर पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने उन्हें आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन वे फायरिंग करते हुए भागने लगे। पुलिस के मुताबिक,



आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग के दौरान दिलावर पुत्र कदीर निवासी परासीली, थाना बुढ़ाना घायल हो गया। उसका दूसरा साथी दिलशाद पुत्र मंजूर निवासी पथरगढ़, थाना सनौली, जनपद पानीपत (हरियाणा) ईछ के खेत में भाग गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस

315 बोर बरामद किए हैं। इसके अतिरिक्त एक गौवंश, एक स्विफ्ट कार तथा गौकशी में इस्तेमाल होने वाले छुरा, दाब, लकड़ी का गुटका और रस्सी भी बरामद की गई है।

घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई कर रही है।? पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार दिलावर थाना बुढ़ाना

अधिनियम और गोवध निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज किया गया है।? पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरज कुमार राय के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय सजय महाडीक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्रपाल सिंह और थाना प्रभारी बुढ़ाना सुभाष अत्री के नेतृत्व में की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री, उपनिरीक्षक आशीष चौधरी, छिवकांत और संदीप कुमार सहित थाना बुढ़ाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस के अनुसार, फरार आरोपी की तलाश जारी है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।



प्रातः काल एक्सप्रेस
फतेहपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ईं) के दौरान पात्र मतदाताओं के नाम काटे जाने की शिकायतों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) ने शनिवार को राष्ट्रपति के नाम 8 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। युवा जिलाध्यक्ष विवेक सिंह एडवोकेट ने ज्ञापन में कहा कि पुनरीक्षण के नाम पर किसी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। हटाए गए नामों का विवरण सार्वजनिक करने, प्रभावितों को आपत्ति का अवसर देने और गलत तरीके से नाम हटाने पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने किसानों, मजदूरों, आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों और कमजोर वर्गों के पात्र मतदाताओं को विशेष सहायता देने पर जोर दिया। कहा कि दस्तावेजों की कमी या तकनीकी खामी से किसी का मताधिकार प्रभावित नहीं होना चाहिए।ज्ञापन में निर्वाचन प्रक्रिया की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण और पारदर्शिता की मांग भी की गई। संगठन ने कहा कि इसका उद्देश्य किसी दल का समर्थन या विरोध नहीं, बल्कि निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था की रक्षा है। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। मौके पर राजेन्द्र सिंह, प्रदेश सचिव रनमन सिंह, जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह यादव, यूसुफ तबरज, सर्वेश सिंह, दीपू मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीसी टीवी कैमरा के साथ युवक गिरफ्तार
प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रतापगढ़। लीलापुर थाने के उप निरीक्षक दीपक कुमार यादव शनिवार को पुलिस बल के साथ गश्त पर निकले थे। इसी बीच मुखबिर की सूचना पर धधुआ गाजन मार्ग से चार सीसी टीवी कैमरा, एक बैटरी को आरोपी से बरामद किया है। मामले में तिना निवासी पिंटू उपाध्याय को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपित ने बताया कि उसने अपने गांव के दोस्त अर्जुन वर्मा के साथ मिलकर छह अक्तूबर को गिरधरसहाय का पुरवा में बरामद हुए सामानों की चोरी की थी।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: राजनीतिक दलों के साथ बैठक, छूटे मतदाताओं के नाम जोड़ने पर जोर



प्रातः काल एक्सप्रेस
मुजफ्फरनगर। विधानसभा निर्वाचक नामावलि्यों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 को लेकर शनिवार 10 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट के जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा की अध्यक्षता में राजनीतिक दलों के साथ बैठक हुई।

डीएम ने बताया कि आयोग के निर्देश पर बीएलओ द्वारा 10 अप्रैल 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची की तुलना 7 जनवरी 2025 की सूची और उसकी पूरक सूचियों से की जाएगी। जिन मतदाताओं के नाम पहले थे लेकिन अब नहीं हैं, उन्हें चिह्नित किया जाएगा चिह्नित मतदाताओं का बीएलओ घर-घर जाकर भौतिक सत्यापन करेगे। छूटे हुए पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने के लिए फार्म-6 भरवाया जाएगा। प्रत्येक बीएलओ को सप्ताह में 20 से 25 मतदाताओं से संपर्क का लक्ष्य दिया गया है। यह कार्य एक माह में पूरा किया जाएगा। बीएलओ द्वारा तैयार सूची मान्यता प्राप्त दलों

के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के साथ सझा की जाएगी। भौतिक सत्यापन रिपोर्ट और फार्म-6 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दिए जाएंगे। बूथ स्तर पर विशेष शिविर लगेगे। रैन बसेरों, श्रमिक कॉलोनियों और वंचित वर्गों तक पहुंचने के लिए विशेष कैंप आयोजित होंगे। पहली बार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एससी/एसटी एक्ट में पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर का आदेश किया निरस्त

प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रयागराज। शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनपद महाराजगंज के थाना घुघली में तैनात पुलिसकर्मियों के खिलाफ एण/एऊ एक्ट के तहत ईंटेंदर्ज करने के विशेष कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति संतोष राय की एकल पीठ ने ईंटें च्द. 8381/2026 - राकेश कुमार यादव बनाम शीला व अन्य में यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। मुकदमे में अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता शशांक कुमार एवं अधिवक्ता राम प्रवेश यादव ने प्रभावी पैरवो की अधिवक्ताओं की दलीलों को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने माना कि विशेष कोर्ट का आदेश बिना न्यायिक मस्तिष्क के प्रयोग के

पारित किया गया था। क्या था पूरा मामला मामला थाना घुघली के ग्राम बसंतपुर का है। शिकायतकर्ता शीला और अजु ने आरोप लगाया था कि 6 जून 2026 की रात एच.राकेश कुमार यादव, कांस्टेबल अमित कुमार व अन्य पुलिसकर्मी बिना महिला पुलिस के घर में घुस गए और जातिसूचक टिप्पणी व शांति भंग किया। इस पर विशेष न्यायाधिया एण/एऊ एक्ट, महाराजगंज ने 11 अगस्त 2026 को ईंटेंदर्ज करने का आदेश दिया था। अधिवक्ताओं की दलील पर हाईकोर्ट की टिप्पणी अधिवक्ता ने कोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि उसी घटना को लेकर पहले से दो क्रॉस केस अपराध संख्या 126/2026 व 127/2026 दर्ज

हैं, जिनके विवेचक स्वयं एच राकेश यादव हैं। शिकायतकर्ता उन्हीं मुकदमों के पक्षकारों की रिश्तेदार हैं और यह कार्यवाही बदले की भावना से की गई है। साथ ही पुलिस ईं-112 कॉल पर शांति व्यवस्था के लिए मौके पर गई थी। इस पर सहमति जताते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि धारा 173 (4) एच में ईंटें का आदेश देने की शक्ति नहीं है, यह शक्ति धारा 175 (3) एच में है और लोकसेवकों के विरुद्ध इसका प्रयोग करते समय सुप्रीम कोर्ट के भजन लाल, अनिल कुमार और प्रियंका श्रीवास्तव के सिद्धांतों का पालन जरूरी है, जो विशेष कोर्ट ने नहीं किया।

भव्यता, श्रध्दा, भक्ति भाव सें निकाली गई कर्ण घोड़े की शोभा यात्रा

लाभग 20 फीट उंचा कर्ण घोड़े को सच्चे मोतियों और लाइटिंग से सजाया गया

प्रातः काल एक्सप्रेस
मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने शनिवार 10 अक्टूबर को स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय (पुरुष) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने इमरजेंसी, ओपीडी, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। इमरजेंसी में वरिष्ठ ईएमओ डॉ. नवनीत बंसल और फार्मासिस्ट ड्यूटी पर मिले। ब्लड बैंक में डॉ. अनुपम सक्सेना, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. योगेंद्र तिरखा, डॉ. शैलेश जैन, डॉ. अशोक कुमार, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया सहगल और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. ओवैस सिद्दीकी उपस्थित मिले। दंत विभाग में भी स्टाफ मौजूद मिला। सीएमओ ने वार्डों में भर्ती मरीजों से उपचार, भोजन, दवा और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के बाद उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले, परिसर में साफ-सफाई रहे और सभी कर्मचारी समय पर ड्यूटी पर आए। मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार पर जोर दिया।

प्रातः काल एक्सप्रेस
मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने शनिवार 10 अक्टूबर को स्वामी कल्याणदेव जिला चिकित्सालय (पुरुष) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने इमरजेंसी, ओपीडी, पैथोलॉजी, ब्लड बैंक और विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। इमरजेंसी में वरिष्ठ ईएमओ डॉ. नवनीत बंसल और फार्मासिस्ट ड्यूटी पर मिले। ब्लड बैंक में डॉ. अनुपम सक्सेना, वरिष्ठ फिजिशियन डॉ. योगेंद्र तिरखा, डॉ. शैलेश जैन, डॉ. अशोक कुमार, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सोनिया सहगल और ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. ओवैस सिद्दीकी उपस्थित मिले। दंत विभाग में भी स्टाफ मौजूद मिला। सीएमओ ने वार्डों में भर्ती मरीजों से उपचार, भोजन, दवा और सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के बाद उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक मरीज को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण उपचार मिले, परिसर में साफ-सफाई रहे और सभी कर्मचारी समय पर ड्यूटी पर आए। मरीजों के साथ संवेदनशील व्यवहार पर जोर दिया।



प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रयागराज शनिवार पथर चट्टी द्वारा कर्ण घोड़े की शोभा यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई सबसे पहले वैदिक रीति और मंत्रोच्चार के साथ कर्ण घोड़े की पूजा अर्चना और आरती की गई आरती प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने किया जय श्री राम के जयकारे के साथ शोभा यात्रा प्रारंभ होती है दर्जनों डीजे और मनमोहन झांकियां अपने प्रदर्शन से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर रही थी सहक के दोनों साइड भक्त हाथ जोड़कर और फूलों की वर्षा करके दर्शन कर रहे थे। कर्ण घोड़े को भगवान श्री राम का दूत माना जाता है। कहावत है कि लव-कुश ने महीषै वाल्मीकि के आश्रम में राम के अश्रुमेध यज्ञ घोड़े को बंधा था उसी की याद में या परंपरा चली आ रही है। डीजे पर बज रहे भजन राम न चले हनुमान के बिना हनुमान ना चले राम के बिना भक्त भक्ति में मान थे और थीरक रहे थे। कर्ण घोड़े की भक्तो ने आरती की फूलमाला चढ़ाया कमेटी के सदस्यों का स्वागत किया गया। शोभा यात्रा होट रोड स्थित राम मंदिर चमेली देवी धर्मशाला से प्रारंभ होकर कोठा पाचा बहादुरगंज लोकनाथ ठठरी बाजार घंटाघर जॉनसेन गंज बादशाही मंडी होते हुए रामलीला मैदान में समाप्त हुआ। कोतवाली क्षेत्र की एसपी निकिता श्रीवास्तव ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए थी तेज तर्रार कोतवाली इंवांर सुधीर कुमार सिंह पूरे समय शोभा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में लगे हुए थे। शोभा यात्रा में विजय कुमार सिंह, रमेश कुमार जायसवाल, शेन नारायण द्विवेदी, धर्मेन्द्र कुमार भैया जी, सतीश केसरवानी, दिनेश सर्राफा, विजय वैश्य, गोपाल जी, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, उमा लाल पांडे, राजेश वैश्य, राजेश सिंह, महेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश मल्होत्रा, मोहम्मद अमिर, अकरम शगुन, विधायक समेत दर्जनों पार्षद समाजसेवी शोभा यात्रा में शामिल हुए

प्रातः काल एक्सप्रेस
प्रयागराज शनिवार पथर चट्टी द्वारा कर्ण घोड़े की शोभा यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई सबसे पहले वैदिक रीति और मंत्रोच्चार के साथ कर्ण घोड़े की पूजा अर्चना और आरती की गई आरती प्रयागराज के महापौर गणेश केसरवानी ने किया जय श्री राम के जयकारे के साथ शोभा यात्रा प्रारंभ होती है दर्जनों डीजे और मनमोहन झांकियां अपने प्रदर्शन से श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर रही थी सहक के दोनों साइड भक्त हाथ जोड़कर और फूलों की वर्षा करके दर्शन कर रहे थे। कर्ण घोड़े को भगवान श्री राम का दूत माना जाता है। कहावत है कि लव-कुश ने महीषै वाल्मीकि के आश्रम में राम के अश्रुमेध यज्ञ घोड़े को बंधा था उसी की याद में या परंपरा चली आ रही है। डीजे पर बज रहे भजन राम न चले हनुमान के बिना हनुमान ना चले राम के बिना भक्त भक्ति में मान थे और थीरक रहे थे। कर्ण घोड़े की भक्तो ने आरती की फूलमाला चढ़ाया कमेटी के सदस्यों का स्वागत किया गया। शोभा यात्रा होट रोड स्थित राम मंदिर चमेली देवी धर्मशाला से प्रारंभ होकर कोठा पाचा बहादुरगंज लोकनाथ ठठरी बाजार घंटाघर जॉनसेन गंज बादशाही मंडी होते हुए रामलीला मैदान में समाप्त हुआ। कोतवाली क्षेत्र की एसपी निकिता श्रीवास्तव ने स्वयं सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए थी तेज तर्रार कोतवाली इंवांर सुधीर कुमार सिंह पूरे समय शोभा यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में लगे हुए थे। शोभा यात्रा में विजय कुमार सिंह, रमेश कुमार जायसवाल, शेन नारायण द्विवेदी, धर्मेन्द्र कुमार भैया जी, सतीश केसरवानी, दिनेश सर्राफा, विजय वैश्य, गोपाल जी, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, उमा लाल पांडे, राजेश वैश्य, राजेश सिंह, महेंद्र कुमार गुप्ता, राकेश मल्होत्रा, मोहम्मद अमिर, अकरम शगुन, विधायक समेत दर्जनों पार्षद समाजसेवी शोभा यात्रा में शामिल हुए



उत्तराखंड में पत्रकारों के लिए बड़ी खबर, सूचना विभाग ने दिए लंबित देयकों के भुगतान के आदेश उत्तराखंड के पत्रकारों की समस्याएं होंगी दूर, नवंबर में पूरी होगी विज्ञापन सूचीबद्धता प्रक्रिया सूचना महानिदेशक बंशीधर तिवारी का बड़ा आश्वासन, दिवाली से पहले होगा लंबित विज्ञापनों का भुगतान



प्रातःकाल एक्सप्रेस
देहरादून। उत्तराखंड के डिजिटल पोर्टलों और समाचार पत्र-पत्रिकाओं के प्रतिनिधियों के लिए सूचना एवं लोक संपर्क विभाग से राहत भरी खबर सामने आई है। सूचना निदेशालय में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी से उत्तराखंड के पत्रकारों की अग्रणी संस्था देवभूमि पत्रकार यूनियन (पंजी.) के प्रदेश महासचिव डॉ.वी.डी.शर्मा ने मुलाकात कर महानिदेशक सूचना श्री तिवारी को पत्रकारों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं की ओर उनका ध्यान आकृष्ट कराया। इस पर महानिदेशक ने स्पष्ट किया कि शासन स्तर पर विज्ञापनों की एम्पैनलमेंट (सूचकांकन) प्रक्रिया काफी तेजी से गतिमान है, जिसे हर हाल में नवंबर महीने तक पूरा कर लिया जाएगा। आगामी मुख्य त्योहारों के सीजन को ध्यान

में रखते हुए सूचना विभाग ने समाचार पत्रों के लिए बजट की स्थिति स्पष्ट की है। महानिदेशक ने बताया कि विभाग को शासन से अपेक्षित बजट प्राप्त हो चुका है। ऐसे में विशेष रूप से लघु और मध्यम श्रेणी के समाचारपत्रों के लंबे समय से अटके हुए विज्ञापन भुगतानों को तुरंत जारी करने के आधिकारिक आदेश दिए

जा रहे हैं। इससे पर्वतीय और स्थानीय स्तर पर कार्यरत छोटे मीडिया संस्थानों को आर्थिक मजबूती मिलेगी। बैठक के दौरान सूचीबद्ध डिजिटल मीडिया पोर्टलों को हाल ही में जारी 85 दिनों के लिए महज 20 हजार रुपये की बेहद कम विज्ञापन धनराशि का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। इस पर बंशीधर तिवारी ने आश्चस्व

किया कि विभाग जल्द ही एक बेहतर और अच्छी राशि का नया विज्ञापन जारी करने जा रहा है, जिससे पोर्टलों के नुकसान की भरपाई हो सकेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य में पत्रकारों का कल्याण और उनके अधिकारों का संरक्षण सूचना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

अज्ञात चोरों ने सेंध काट कर नकदी व जेवर किया पार, केस दर्ज

प्रातः काल एक्सप्रेस
कौशाम्बी। पईसा थाना क्षेत्र के बीबिनियापुर गांव में दो दिन पहले अज्ञात चोरों ने एक घर की दीवाल में सेंध काट कर अंदर घुस गए और घर के अंदर रखे

नकदी व जेवर पार कर दिया, पीड़ित की शिकायत पर वेस दर्ज कर पुलिस जांच में जुट गई है। पईसा थाना क्षेत्र के बीबिनियापुर गांव निवासी राजू सरोज पुत्र छोटकू ने पईसा पुलिस

को शिकायती पत्र देकर बताया कि आठ अक्टूबर की रात्रि अज्ञात चोरों ने दीवाल काट कर घर के अंदर घुस गए और कमरे में रखा नाौ हजार नकदी एवं चांदी की चीन पड़ी,

बेसर , हाफ पेटी, छागल, लॉकीट दो नग, तोड़िया दस तोला, मुंदरी दो नग आदि सामान उठा ले गए। पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज कर पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई है।

भाकियू टिकैत ने मतदाता सूची से नाम काटने की निष्पक्ष जांच की मांग